अषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष 20 वर्ष, अंक 217 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज | रविवार 01 अगस्त 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप "अहंब्रह्मास्मि" की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

लखनऊ के मंदिर में मिला धमकी भरा पत्र, लिखा- मुजाहिदों को छोड़ो वरना...

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से बड़ी खबर सामने आ रही है। खबर के मुताबिक लखनऊ के अलग-अलग मंदिरों में एक धमकी भरा पत्र मिला है। पत्र में 14 अगस्त तक आतंकवादियों को रिहा करने की मांग की गई है। खबरों के मुताबिक पत्र में आरएसएस के कार्यालय को भी उड़ाने की धमकी दी गई है। इसको लेकर अब राजधानी लखनऊ में हड़कंप मच गया है। पुलिस एक्शन में आ गई है और सतर्क हो गई है। उत्तर प्रदेश के डीजीपी देवेश कुमार पांडे ने बताया कि कुछ प्रमुख मंदिरों पर रजिस्टर्ड डाक मिला है, इसकी गहनता से जांच की जा रही है। जानकारी के मुताबिक पत्र अलीगंज हनुमान मंदिर के पते पर आया है। खुद को जिहाद समर्थक बताते हुए पत्र में लिखा गया है कि अगर 14 अगस्त की शाम तक मुजाहिदो को रिहा नहीं किया गया तो अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहें। वरना 15 अगस्त से कहर बरपाया जाएगा। पत्र की भाषा बेहद संवेदनशील और भड़काऊ है। इसमें महिलाओं के लिए भी अपशब्द लिखे गए।

आज और कल भारत के हाथों में होगी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज और कल एक महीने के लिए भारत के हाथों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की कमान होगी। भारत 1 अगस्त को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभालेगा और इस महीने के दौरान समुद्री सुरक्षा, शांति स्थापना की कवायद करने और आतंकवाद पर कड़ा प्रहार करने को तैयार है। महासभा अध्यक्ष के कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक, भारत के राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने यूएन महासभा प्रमुख को भारत की अध्यक्षता के दौरान होने वाली मुख्य गतिविधियों से अवगत कराया है। संयुक्त राष्ट्र में

भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने 15 राष्ट्रों के शक्तिशाली संयुक्त राष्ट्र निकाय की भारत द्वारा अध्यक्षता संभाले जाने की पूर्व संध्या पर एक वीडियो संदेश में कहा कि हमारे लिए उसी माह में सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभालना विशेष सम्मान की बात है जिस माह हम अपना 75वां स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बतौर अध्यक्ष भारत का पहला कार्य दिवस सोमवार यानी 2 अगस्त होगा। तिरुमूर्ति महीने भर के लिए परिषद के कार्यक्रमों पर संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में मिश्रित संवाददाता सम्मेलन करेंगे यानी कुछ लोग वहां मौजूद होंगे जबकि अन्य वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए जुड़ सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी कार्यक्रम के मुताबिक तिरुमूर्ति संयुक्त राष्ट्र के उन सदस्यों देशों को भी कार्य विवरण उपलब्ध कराएंगे जो परिषद के सदस्य नहीं हैं। बता दें कि सुरक्षा परिषद के एक अस्थायी सदस्य के रूप में भारत का दो साल का कार्यकाल 1 जनवरी, 2021 को शुरू हुआ। यह सुरक्षा परिषद के गैर स्थायी सदस्य के तौर पर 2021-22 कार्यकाल के दौरान भारत की पहली अध्यक्षता है। भारत अगले साल दिसंबर में फिर से सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करेगा। अपनी अध्यक्षता के दौरान भारत समुद्री सुरक्षा, शांति रक्षा और आतंकवाद को रोकने जैसे विषयों पर ध्यान देगा तथा इन मुद्दों पर उच्च स्तरीय कार्यक्रमों की अध्यक्षता करेगा और ठोस रणनीति बनाने पर जोर देगा।

यूपी में ब्राह्मण तय करेंगे 2022 के विधानसभा चुनाव की रणनीति : स्वामी प्रसाद मौर्या

अयोध्या (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में इस बार ब्राह्मण समाज 2022 के विधानसभा चुनाव की रणनीति तय कर सकता है। दरअसल अयोध्या पहुंचे योगी सरकार के श्रम मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्या बहुजन समाज पार्टी के द्वारा चलाए जा रहे ब्राह्मण सम्मेलन पर जुबानी हमला बोलते हुए कहा कि अब दलित मतदाताओं पर भरोसा नहीं है क्योंकि दलित बसपा का साथ छोड़ चुके हैं और अब प्रदेश में ब्राह्मण नई रणनीति तय करेगा। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में इस बार ब्राह्मण वोट बैंक पर चुनाव की नई दिशा तैयार की जा रही है। प्रदेश में जहां बहुजन समाज पार्टी के द्वारा ब्राह्मण सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है तो वहीं अब समाजवादी पार्टी भी ब्राह्मणों के वोट बैंक को बढ़ाने के लिए समिति का गठन कर विभिनन्न प्रकार के आयोजनों के माध्यम से ब्राह्मणों को जुटाने के प्रयास में है। जिसको लेकर भारतीय जनता पार्टी के सरकार में श्रम मंत्री ने भी इस बार प्रदेश में ब्राह्मण समाज को लेकर बड़ा दावा किया है। अयोध्या पहुंचे

प्रदेश के श्रम मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्या ने कहा कि दलित मायावती का साथ छोड़ चुके है। बसपा को अब अपने दलित मतदाताओं पर भरोसा नहीं है। ब्राह्मण सबसे ज्यादा इस देश का बुद्धिजीवी और पढ़ा लिखा समझदार मतदाता है। इसलिए ब्राम्हण किसी के झांसे बहकावे व प्रलोभन में आने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण हमेशा देश की दशा व दिशा तय करता है। ब्राह्मण राजनीतिक व सामाजिक स्तर पर उचित अनुचित को अच्छा समझता है और स्वयं अपने विवेक से निणर्य लेता है। वह किसी के झुनझुना बजाने से बच्चों की तरह उसके पीछे नहीं दौड़ेगा।

नए आईपीएस अधिकारियों को पीएम मोदी का मंत्र, बोले- देशहित में हों फील्ड में लिए गए फैसले

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज (शनिवार को) सरदार वल्लभभाई पटेल नेशनल पुलिस एकेडमी में ट्रेनी आईपीएस अफसरों से संवाद किया। यहा उन्होंने ने ट्रेनी आईपीएस अफसरों से कई सवाल पूछे और उनसे सुझाव मांगे। पीएम ने ट्रेनी आईपीएस अफसरों से कहा कि आपकी युवा लीडरशिप देश को आगे बढ़ाएगी। पीएम मोदी ने कहा फील्ड में रहते हुए आप जो भी फैसले लें, उसमें देशहित होना चाहिए, राष्ट्रीय परिपेक्ष्य होना चाहिए। यहां प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत में पुलिस बल के साथ एक ठनकारात्मक अर्थठ जुड़ा हुआ है, अधिकारियों को छवि सुधारने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

असम-नागालैंड सीमा विवादः दोनों राज्यों ने विवादित जगह से पुलिस को हटाने के लिए एग्रीमेंट पर किए दस्तखत

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम-नागालैंड सीमा विवाद में सहमति बन गई है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का बयान सामने आया है। जिसमें उन्होंने दोनों राज्यों की पुलिस के वापस लौटने की बात कही। उन्होंने कहा कि पुलिस अपने राज्य के बेस कैंप तक वापस चली जाएगी और यथास्थिति को बनाए रखेगी।

इसी बीच मिजोरम पुलिस द्वारा खुद पर एफआईआर दर्ज करने पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को कहा कि ये बच्चों का काम है। जिस जगह झगड़ा हुआ था वो जगह असम की थी और है। इसलिए असम पुलिस का ही केस पर अधिकार बनता है। अगर कोई केस रजिस्टर हुआ है तो अच्छा है। इस केस को एनआईए को सौंप देना चाहिए, ताकि वह जांच कर सके। मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज असम और नागालैंड सरकारों के मुख्य

सचिवों ने एक एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किया है। इसके मुताबिक दोनों सरकारों की पुलिस बॉर्डर क्षेत्र में जहां आमने सामने थी वो अपने राज्य के बेस कैंप तक लौटकर चली जाएगी और यथास्थिति बनाए रखेगी। उन्होंने कहा कि सेटेलाइट इमेज से यथास्थिति बनी रहे इस पर सबकी नजर रहेगी। यह बहुत बड़ा लैंडमार्क है। इसके लिए मैं नागालैंड के मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करता हूं। इससे असम और नागालैंड के बीच की फेंसिंग को और बल मिलेगा। आपको बता दें कि असम और नागालैंड के मुख्य सचिवों ने एक एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किया है। जिसके तहत तत्काल प्रभाव से पुलिस को विवादित जगह से हटा दिया जाएगा।

बोर्ड ने बिना परीक्षा के लाखों छात्रों का रिजल्ट किया जारी

रिजल्ट देखते ही खुशी से झूम उठे छात्र-छात्राएं

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। यूपी बोर्ड ने इस बार बिना परीक्षा कराए इतिहास रच दिया। बोर्ड के 100 वर्षों के इतिहास में इस बार सर्वाधिक हाईस्कूल और इंटरमीडिएट में सर्वाधिक छात्र-छात्राओं ने सफलता हासिल की। पिछले वर्ष के मुकाबले इस बार हाईस्कूल का परिणाम 16.22 और इंटरमीडिएट का परिणाम 23.25 फीसदी अधिक रहा। यूपी बोर्ड के इतिहास में किन्हीं भी दो वर्षों के अंतराल में सफलता का ग्राफ इतनी तेजी से कभी नहीं बढ़ा।

यूपी बोर्ड शताब्दी वर्ष मना रहा है। शताब्दी समारोह को लेकर व्यापक पैमाने पर तैयारी की गई थी, लेकिन कोविड के कारण सबकुछ स्थगित कर दिया गया। शताब्दी वर्ष अब सिर्फ इसलिए याद रखा जाएगा कि यूपी बोर्ड ने बिना परीक्षा लाखों छात्रों का रिजल्ट जारी कर दिया और बोर्ड के इतिहास में पहली बार तकरीबन शत-प्रतिशत

विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की। इससे पूर्व वर्ष 1992 के रिजल्ट ने इतिहास रचा था, जब हाईस्कूल में महज 14.70 फीसदी परीक्षार्थी पास हुए थे और इंटमीडिएट का परिणाम भी केवल 30.30 फीसदी था।

पिछले साल से तुलना करें तो वर्ष 2020 में हाईस्कूल का रिजल्ट 83.31 फीसदी और इंटरमीडिएट का 74.63 फीसदी था, जो इस बार बढ़कर क्रमशः 99.53 फीसदी और 97.88 फीसदी हो गया। वहीं, पिछले साल की तुलना में हाईस्कूल में पंजीकृत छात्रों की संख्या कम हुई है और इंटरमीडिएट में बढ़ी है। वर्ष 2020 में हाईस्कूल में तीस लाख 24 हजार 480 परीक्षार्थी और इस वर्ष 29 लाख 96 हजार 31 विद्यार्थी पंजीकृत थे। वहीं, इंटरमीडिएट में वर्ष 2020 में 25 लाख 86 हजार 339 और इस वर्ष 26 लाख 10 हजार 247 विद्यार्थी पंजीकृत थे।

इस वर्ष पंजीकृत विद्यार्थियों में तकरीबन सभी उत्तीर्ण घोषित कर दिए जाएंगे,ख्यह पहले से ही स्पष्ट हो चुका था और यह भी तय था कि बोर्ड हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के रिजल्ट को इतिहास रचने जा रहा है। बोर्ड के सूत्रों का कहना है कि रिजल्ट कुछ दिनों पहले ही तैयार कर लिया गया था, लेकिन बोर्ड के अधिकारी सीबीएसई के परिणाम का इंतजार कर रहे थे।

नीतीश कुमार का ट्रंप कार्ड, राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में ललन सिंह को बनाया गया जेडीयू का नया अध्यक्ष

पटना (एजेंसी)। जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में बड़ा फैसला लिया गया है। बता दें कि राजीव रंजन उर्फ लल्लन सिंह का नया अध्यक्ष बनाया गया है। पिछले साल दिसंबर महीने में आरसीपी सिंह को अध्यक्ष बनाया गया था लेकिन आरसीपी के मंत्री बनने के बाद नया अध्यक्ष बनाने को लेकर कयासों का दौर जारी था। जिसके बाद सियासी समीकरणों को साधते हुए ललन सिंह को यह पद दिया गया है।

जदयू अध्यक्ष पद की रेस में ललन सिंह का नाम सबसे आगे चल रहा था। उन्हें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का बेहद करीबी बताया जाता है। लोकसभा चुनाव में मुंगेर से कांग्रेस प्रत्याशी नीलम देवी को डेढ़ लाख से अधिक वोटों से हराकर राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह सांसद बने थे। इतना ही नहीं ललन सिंह

जदयू के संसदीय दल के नेता भी हैं। राजधानी दिल्ली में जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई। जहां पर करीबी एक घंटे चली चर्चा के बाद ललन सिंह को अध्यक्ष बनाए जाने का प्रस्ताव रखा गया। इस बैठक में नीतीश कुमार समेत कई बड़े नेता शामिल हुए। ललन सिंह को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर नीतीश कुमार ने समीकरण साधने का प्रयास किया है। आरसीपी सिंह और ललन सिंह एक ही जाति से आते हैं। ऐसे में उन्हें अध्यक्ष बनाकर यह दर्शाने का प्रयास किया गया है कि जदयू समाज के हर वर्ग का ख्याल रखती है। आपको बता दें कि ललन सिंह उन लोगों में शामिल हैं जिन्होंने नीतीश कुमार के साथ मिलकर पार्टी की नींव रखी थी।

बाबुल सुप्रियो ने राजनीति से लिया संन्यास, कहा- मैं किसी और पार्टी में नहीं जा रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आसनसोल से दूसरी बार जीतकर संसद पहुंचे बाबुल सुप्रियो ने अब राजनीति से संन्यास का ऐलान कर दिया है। मोदी सरकार-1 और 2 में अब तक वह मत्री थे। हाल में ही हुए कैबिनेट विस्तार में उन्हें मंत्रिपरिषद से बाहर कर दिया गया था। फिल्म संगीत में अपनी अलग पहचान बना चुके बाबुल सुप्रियो 2014 में आसनसोल से चुनाव जीतकर पहली बार लोकसभा पहुंचे थे। 2014 से 2016 तक वह शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री थे जबकि 2016 से 2019 तक उन्हें भारी उद्योग में राज्य मंत्री बनाया गया था। 2019 से 2021 तक वह पर्यावरण मंत्रालय में एमओएस रहे।

GSTIN : 09AAFTM3349D1ZK
PAN-AAFTM3349D
Reg. No.: 1/2014

मिसकीन सेवा संस्थान ट्रस्ट
Misqeen Sewa Sansthan Trust
(इण्डियन ट्रस्ट एक्ट 1882 केअन्तर्गत पंजीकृत)
श्रमिको, मजलूमों, गरीबों अनाथो के सेवा में तत्पर
फाउण्डर प्रबन्धकः अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे पत्रकार/ग्राम प्रधान अल्हवा कोरांव, प्रयागराज
कार्यालय : माण्डा वाली रोड, कोरांव–प्रयागराज,
निवास ग्राम–अल्हवा, देवघाट, कोरांव–प्रयागराज 212306
Mob.: 9450613192
E-mail: miskeenss2014@gmail.com, sahjadekoraon@gmail.com

केसरवानी एण्ड सन्स
नोट- हमारे यहाँ मोबिल, पाइप, पेन्ट, सेनेट्री, हार्डवेयर, दरवाजा टाइल्स, समर सेबुल पम्प, चारा मशीन, बाथरूम फिटिंग इत्यादि उचित मूल्य पर प्राप्त करें।
अनुपम – 8318174147 अनमोल– 6388773491
जी0टी0 रोड, हनुमानगंज, प्रयागराज

Reg. No. U01400UP2021PTC147142
स्थापना वर्ष – 2021
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS

शेषदुर्गा हर्बल प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड

प्रयागराज के किसानो से आग्रह है कि सुनहरे भविष्य के लिए औषधीय पौधों की खेती करके अपनी आय चार गुना ज्यादा बनाने के लिए कम्पनी की सदस्यता ग्रहण करें।
फाउण्डर आर. पी. पाण्डेय LL.B
ग्राम–कबरा, पोस्ट–डीहा, तहसील–करछना, प्रयागराज
रजि. कार्यालय–868/5 कृष्णा नगर, अरैल, नैनी, प्रयागराज
Mob.: 9935613506

प्रकाश हॉस्पिटल
स्वास्थ सेवाओं के लिए 24 घंटे सेवा में तत्पर

निदेशक- डॉ. विजय बाबू यादव
(सदस्य जिला पंचायत)
Mob.: 8858487147
पता–भीरपुर करछना, प्रयागराज

सूफी आशिक बाबा

सभी समस्याओं का निःशुल्क समाधान के लिए संपर्क करें।
नोट : खोए हुए व्यक्ति को हर हाल में मिलाना, ऊपरी बाधा से परेशान और उसका नि:शुल्क समाधान कराना, वैवाहिक जीवन में समस्त कष्टों को दूर कराना, जिन पुरुष व युवती की शादी में किसी प्रकार का कोई रुकावट आ रहा है तो, उसका भी समाधान किया जाता है सभी समस्याओं का समाधान समय से कर दिया जाता है 30 वर्षो का अनुभव प्राप्त।
पताः एडीए कॉलोनी, पुलिस चौकी के पास, नैनी, प्रयागराज
मोबाइल नंबरः 9793403230, 9335128224

बिना चाभी के सायकिल का ताला नहीं खुल सकता : लल्लन राय

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी की कोरांव में कार्यकर्ता बैठक आयोजित

कई लोगों ने प्रगति शील समाजवादी पार्टी की सदस्यता ली

अखंड भारत संदेश

कोरांव/प्रयागराज। कोरांव विधान सभा के दोहथा में प्रगति शील समाजवादी पार्टी की कार्यकर्ता बैठक में बतौर मुख्य अतिथि मंडल प्रभारी पूर्व राज्य मंत्री यूपी श्री प्रकाश राय उर्फ लल्लन राय ने कहा कि सायकिल का ताला बिना चाभी के नहीं खुल सकता।

श्री राय ने कहा कि अखिलेश यादव जी को चाचा से आशीर्वाद लेने की जरूरत है। क्योंकि मुख्य मंत्री की कुर्सी चाचा शिवपाल सिघ यादव के ही माध्यम से मिलेगी। उन्होंने कहा कि गठबन्धन की सरकार बनेगी,और उसमें प्रगति शील समाजवादी पार्टी की महत्वपूर्ण भूमिका भी होगी। श्री राय ने कहा कि सरकार बनने पर इस इलाके के किसानों मजदूरों की समस्या उपेछित तबका का कल्याण होगा। और उन्हे समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का काम मेरी पार्टी करेगी। पूर्व मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों के हितों के बजाय उनका दमन कर रही है। गरीबों मजदूरों व किसानों को मंहगाई कि मार से त्रस्त कर रखा है। तेल,गौस, के दाम आसमान छू रहे है। जिससे किसान मजदूर इस कृषि प्रधान देश में बरबादी को कंगार पर खड़ा है। साल भर से किसान अपनी जाएं मांगों को लेकर गाजीपुर बार्डर पर आंदोलन रत है लेकिन ये बेवफा केंद्र व प्रदेश सरकार उद्योगपतियों के इशारे पर घमंड में चूर है। उन्होंने नए सदस्यता ग्रहण करने वाले मेजा कोरांव के पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

कोरांव विधान सभा के सदर व अध्य छ लक्ष्मी शंकर यादव ने मुख्य अतिथि एवम जिले तथा प्रदेश के पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव शमसाद भाई, जिलाध्यक्ष दीनानाथ यादव,सैनिक प्रकोस्थ के संतोष आर्मी मल्लू यादव प्रमुख महा सचिव, धर्मवीर कुसवाहा,अखिलेश कुमार यादव,पवन कुमार,रमेश कुमार,सुरेश कुमार,प्रथ्वी राज सिंह,रामबाबू पाल,ओमप्रकाश किसान सभा,प्रदीप कुमार मिश्र, असद अहमद,बृजेश कुमार,भास्कर यादव एडवोकेट,सहित तमाम लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रगति शील समाजवादी पार्टी में मीस्कीन सेवा संस्थान ट्रस्ट की प्रतिनिधि प्रेमकली,रंजना देवी गिगीथा सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने मुख्य अतिथि का माल्यार्पण कर स्वागत किया। पूर्व मंत्री श्री राय के मित्र ग्राम प्रधान व वरिष्ठ पत्रकार शहजादे अल्हवा को श्रमिकों के हितार्थ व लाक डाउन के दौरान अपनी लेखनी से समाज सरकार प्रसासन का ध्यान आकृष्ट कराने जैसे उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित भी किया। पूर्व मंत्री व उनकी टीम का कोरांव के कार्यकर्ताओं ने कोरांव से दोंथा तक जगह जगह स्वागत किया।

पांच अगस्त को करछना तहसील से निकलेगी समाजवादी साइकिल यात्रा : शाहबाज़ हक़

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के आवाहन पर 5 अगस्त को वरिष्ठ समाजवादी नेता जनेश्वर मिश्रा की जयंती पर प्रदेश की सभी तहसीलों से साइकिल यात्रा निकालेगी। इसी क्रम में करछना तहसील मुख्यालय से मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के जिला उपाध्यक्ष प्रवक्ता शाहबाज़ हक़ के नेतृत्व एवं संचालन जिला महासचिव डॉ गुलाम मुस्तबा तथा आयोजन विधानसभा अध्यक्ष मो0 सैफ के द्वारा पार्टी की साइकिल यात्रा गुरुवार पांच अगस्त को निकलेगी। यात्रा के जरिए लोगों को जागरूक किया जाएगा सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने निर्देश पर समाजवादी यात्रा की तैयारी पूरी कर ली गई है वहीं समाजवादी नेता जनेश्वर मिश्र के जन्म दिवस पर 5 अगस्त को हर तहसील में निकलने वाली साइकिल यात्रा 5 से 10 किलोमीटर तक चलेगी इसमें बेकारी महंगाई भ्रष्टाचार पुलिस उत्पीड़न किसानों की समस्या महिलाओं की शोषणकारी नीतियों से लोगों को वाकिफ कराया जाएगा इस यात्रा के जरिए जनता के बीच भाजपा सरकार की नाकामी को गिनाया जाएगा साथ ही सपा शासन में हुए कार्यों से भी वाकिफ कराया जाएगा ।।

जसरा में अमित मिश्रा बने खंड विकास अधिकारी

जसरा।प्रयागराज। खंड विकास अधिकारी जसरा का कार्यभार अमित मिश्रा ने संभाला। जसरा विकास खंड के खंड विकास अधिकारी देवेंद्र कुमार ओझा के स्थानांतरण के बाद अमित मिश्रा को जसरा विकास खंड का खंड विकास अधिकारी नियुक्त किया गया। शनिवार को विकास खंड कार्यालय पर उन्होंने पदभार ग्रहण किया तथा कर्मचारियों के साथ बैठक भी किया।प्रयाग संगम सेवा संस्थान के पदाधिकारियों द्वारा जसरा ब्लॉक् में आये हुए नए खंड विकास अधिकारी और एडीओ पंचायत का स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया और छेत्र की समस्याओं को लेकर चर्चा हुई इस मौके पर उपस्थित रहे ग्राम पंचायत अधिकारी श्री अमित शुक्ला जी,अध्यक्ष सुधांशु मिश्रा. उपाध्यक्ष राम जी त्रिपाठी, महामंत्री राजेन्द्र तिवारी,आशीष सोनकर,शनि सिंह आदि लोग मौजूद रहे

आस्था का केंद्र बना चनेथू का चंद्रमौलेश्वर महादेव धाम

अखंड भारत संदेश

जंघई।वरुणा तट पर स्थित चंद्रमौलेश्वर महादेव धाम चनेथू सावन मास में भक्तों की आस्था का केंद्र बना है। सुबह शाम भक्तगण अपनी मनोकामना पूर्ण करने के लिए मंदिर में पूजन अर्चन करने पहुंच रहे हैं।

2019 में दस मई को इस मंदिर में साप्ताहिक शिव महापुराण के साथ मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा हुआ था जिसमें सैकड़ों प्रकांड विद्वान, काशी सुमेरु पीठ के शंकराचार्य नरेंद्रानंद सरस्वती सहित तमाम प्रमुख संत पहुंचे थे। मंदिर के संस्थापक पंडित शिवशंकर दुबे के अनुसार यह मंदिर तीन वर्ष में तैयार हुआ है जिसमें ग्रामीणों एवं हमारे शुभचिंतकगणों ने आर्थिक सहायता किया। मंदिर प्रांगण में शिवजी की 55 फीट प्रतिमा, शिवजी के लिंग की प्रतिमा, दुर्गा माता गणेश लक्ष्मी सहित विभिन्न देवी देवताओं को प्रतिष्ठित किया गया है। इस समय सावन में भोलेनाथ का पूजन अर्चन करने के लिए क्षेत्र एवं दूर दराज के लोग पहुंच रहे हैं।

बारिश में ताल तलैया बनी अनुवां महरछा संपर्क मार्ग

अखंड भारत संदेश

जंघई/प्रतापपुर। क्षेत्र की दर्जनों सड़कें इन दिनो जीर्ण शीर्ण हो गई है ग्रामीणों एवं क्षेत्रवासियों के बार बार प्रार्थना पत्र देने के बावजूद जनप्रतिनिधि या विभागीय अधिकारी, लोकनिर्माण, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग ध्यान नही दे रहे है।पूर्व मंत्री श्याम सुरत उपाध्याय द्वारा बनवाई गई विभिन्न सड़कों की मरम्मत हेतु वषी से कोई ध्यान नही दे रहा है।जिसके कारण सड़क पर आवागमन करने वाले आम नागरिकों छात्रों वकीलों व्यापारीकरण एवं अन्य मुसाफिरों मे आक्रोश है क्योंकि ग्रामीणों की सुनने वाला कोई नजर नही आ रहा है।रधईपुर महरछा से पयागपुर कुंदौरा धाम जाने वाली सड़क एवं क्षेत्र की अन्य जर्जर हो चुकी सड़कों मे अनुवां-चनेथू महरछा, चंपापुर-हरीपुरपट्टी जलालपुर, अनुवां-राचनपुर, चंपापुर-बघेड़ी सरजूपट्टी, महरछा-जंघई आदि सड़कें पूर्ण रुप से क्षतिग्रस्त हो चुकी है लेकिन इनका नवीनीकरण या मरम्मत न होने से सभी आक्रोशित है।मिनटों का सफर घंटों मे तय करना पड़ रहा है। इन सड़को पर रात दिन आवागमन होने के बावजूद वषी से इनकी मरम्मत नही हुई है। अनुवां चनेथू मार्ग पर मरम्मत का कार्य जिला पंचायत से शुरू हुआ भी तो आधी बनाकर छोड़ दिया गया।प्रतिदिन दुर्घटनायें होती रहती है दो जिलों को जोड़ने वाली सड़को की भी मरम्मत नही हो रही है।जिससे क्षेत्रवासी आक्रोशित व निराश है कि किससे गुहार लगाए कोई सुनने वाला नही।

अपहृता सकुशल बरामद

शंकरगढ़, प्रयागराज। शंकरगढ़ पुलिस ने एक अपहृता को सकुशल बरामद किया है। अपहरण का यह प्रकरण 27 जुलाई का है। इस मामले में अपहृता के पिता ने शंकरगढ़ पुलिस को तहरीर दी थी। इस मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए शंकरगढ़ पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 256/21 के तहत धारा 363, 366 का केस दर्ज कर मामले की पड़ताल शुरू की।एसओ कुलदीप कुमार तिवारी ने बताया कि मामले की छानबीन के दौरान सुराग मिलने पर शनिवार को अपहृता को बरामद कर लिया गया।

पात्र गृहिणी ने आवास आवंटन में धांधली का लगाया आरोप- सांसद से किया शिकायत

सांसद एवं सीडीओ से पीड़ित ने की फरियाद

अखंड भारत संदेश

करछना। विकास खंड करछना के ग्राम पंचायत देवरी कला की रीता देवी पतने चदिंका प्रसाद ने शनिवार को फूलपुर की सांसद केसरी देवी पटेल से मिल कर आवास आवंटन में सचिव द्वारा गडबडी करने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई ।शिकायत में महिला रीता देवी ने आरोप लगाया है कि, उसने आवास के लिए आवेदन किया था ।जिसका नाम पात्रत्रा श्रेणी में शामिल होने के बावजूद ब्लाक कमिन्यों ने उसके नाम पर आवंटित आवास को गांव की ही रीता पतने बबलू के खाते में आवास की धनराशि डाल दी गई है ।जो सरा सर, गलत है, जबकि रीता देवी पतने बबलू का गांव में पक्का मकान भी है, पीडित महिला ने सांसद से गुहार लगाई है कि मामले की जांच करा कर, दोषी के खिलाफ़ कारवाई करने एवं पात्रता की सूची में शामिल मेंरे नाम का आवास आवंटित करने की मांग की है ।मामले को गंभीरता से लेते हुए सांसद महोदया ने मुख्य विकाश अधिकारी को पत्र लिखकर मामले की जांच कराएं जाने एवं पीडित पात्र लाभार्थी को आवास आवंटित कर न्यायोचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

सम्मान समारोह सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

नारीबारी। विकासखंड शंकरगढ़ के मुख्यालय पर नारीबारी व शंकरगढ़ मंडल के क्षेत्रीय नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों क्षेत्र पंचायत सदस्यों का सम्मान समारोह संपन्न जहां नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों को अथक परिश्रम करके नेतृत्व प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया गया तथा इसी के साथ-साथ अपने-अपने क्षेत्रों का सम्पूर्ण विकास करने के लिए उत्साहित भी किया गया जिसके बाद ग्राम प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने भारतीय जनता पार्टी की यशस्वी सरकार के नेतृत्व में सरकारी पैसे का ईमानदारी से उपयोग करते हुए गांव के सम्पूर्ण विकास की बात को दुहरायी उक्त अवसर पर विधायक बारा डॉ अजय कुमार, जिलाध्यक्ष यमुनापार विभवनाथ भारती, ब्लाक प्रमुख शंकरगढ़ निर्मला देवी, जिला उपाध्यक्ष शंकरगढ़ विजय शंकर शुक्ल, मंडल अध्यक्ष नारीबारी अंजनीलाल व कुलदीप सिंह मंडल अध्यक्ष शंकरगढ़, संतोष सिंह प्रधान, भारत, दिवाकर सिंह, पृथ्वीराज साहू, विभूति नारायण दुबे, बसंतलाल, राजेश केशरवानी मंडल उपाध्यक्ष आदि उपस्थित रहे।

एमएलसी डॉ. मान सिंह यादव मृतक सोनू के परिजनों से घर जाकर दी सांत्वना, मदद् का दिलाया भरोसा

अखंड भारत संदेश

करछना। कौंधियारा जुगुल का पुरा ग्राम सभा में अखिलेश यादव जी के गाने का स्टेटस लगाने मात्र से सोनू यादव की हत्या कर दी गई थी आज उनके आवास पर शिक्षक सभा के प्रदेश अध्यक्ष सनतक एमएलसी माननीय श्री डॉक्टर मान सिंह यादव पहुंचे पीड़ित परिवार को सांत्वना दी हर संभव मदद करने का आश्वासन दिए साथ में शिक्षक सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ सुरेश यादव जी, महासचिव डॉ एस पी सिंह पटेल जी लोहिया वाहिनी के अध्यक्ष नवीन यादव जी, प्रधान जी, रामानंद यादव जी, मोहित यादव , नीरेंद्र सिंह एडवोकेट शोक प्रकट किया।

सच साबित हुई आशंका, नहर में मिला लापता बालिका का शव

शाल में लपेटकर फेंका गई थी लाश

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। यमुनापार के लालापुर इलाके से गायब हुई बालिका का शव बरामद हुआ है। यह शव बारा थाना क्षेत्र के यमुना पंप कैनाल के पंप हाउस के समीप पानी में पाया गया। पानी में बहले शव को देख स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी मुकामी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। छानबीन के उपरांत शव की पहचान लालापुर क्षेत्र के सेमरी तरहार से गायब चल रही बालिका मोहिनी के रूप में हुई। बेटी का शव मिलने की सूचना से पूरे घर में कोहराम मचा हुआ है।

जानकारी के मुताबिक लालापुर के सेमरी तरहार के रहने वाले मुकेश उर्फ वीरेंद्र की बेटी मोहिनी 27 जुलाई की सुबह घर से संदिग्ध दशा में गायब हो गई थी। परिजनों को मोहिनी के गायब होने की जानकारी काफी देर बाद लगी। काफी देर तक मोहिनी के आसपास नहीं दिखने पर परिजनों ने खोजबीन शुरू की। आसपास व गांव में पता नहीं चलने पर समीपवर्ती गांवों में तलाश शुरू की गई, पर मोहिनी का कोई पता नहीं चला। इस पर परिजन लालापुर थाने पहुंचे और थानाध्यक्ष वृंदावन राय को मोहिनी के गायब होने की जानकारी दी। इस पर पुलिस की दो टीमें मोहिनी की तलाश में जुट गई। इधर, शुक्रवार देर शाम बारा थाना क्षेत्र के फोड़ी पंप हाउस की नहर में एक लड़की का शव देखा गया। सूचना पर आई पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया और पहचान कराने की कोशिश की, पर कोई सुराग नहीं लगा।देर रात में निकाले गए शव के संबंध में बारा पुलिस ने समीपवर्ती थानों की पुलिस से सहयोग मांगा।

जसरा क्षेत्र में चोरों की चहल कदमी से व्यापारियों में दहशत

अखंड भारत संदेश

जसरा।प्रयागराज। जसरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने स्थित एक दवा की दुकान के संचालक के घर की छत पर चढ़कर घर के अंदर घुसने का प्रयास करते समय घरवाले जाग गए। घरवालों के शोर मचाने पर सभी बदमाश छत से कूद कर भाग निकले। घटना की लिखित तहरीर पुलिस को दी गई है ।शुक्रवार की देर रात जसरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने विजय कुमार केसरवानी दवा की दुकान चलाते हैं ।

उसी दुकान के ऊपर निवास भी करते हैं। मेडिकल स्टोर संचालक ने बताया कि घर के अगल-बगल के मकानों के सहारे अज्ञात बदमाश मकान के ऊपर छत पर चल गए। छत पर चढ़ने के बाद घर के आंगन में लगी लोहे की पत्ती को धारदार औजार से काटने लगे। देर रात आंगन की पत्ती काटने की आवाज जब उसकी पतने तथा बच्चों को सुनाई पड़ी तो सभी सहम गए और घर के अंदर से शोर मचाने लगे । चिल्लाने की आवाज सुनकर अगल बगल के लोग नहीं उठे तथा गहरी नींद में सोते रहे। इतने में पीड़ित ने मोबाइल से फोन कर समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लोगों को फोन कर दिया। जिस पर स्वास्थ्य केंद्र से कई लोग दौड़कर आ गए और शोर मचाने लगे । हल्ला गुल्ला सुनकर सभी बदमाश छत से नीचे कूदकर भाग निकले।

संचालक ने पुलिस को तहरीर में बताया है कि यह तीसरी घटना है। जिससे उसका परिवार दहशत में है तथा पतने व बच्चे बहुत डरे हुए हैं। पीड़ित ने पुलिस से मामला दर्ज करने तथा अज्ञात बदमाशों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने व परिवार की सुरक्षा की मांग की है।

सेवानिवृत्त शाखा प्रबंधक प्रभा रावत को नम आखों से किया विदा

अखंड भारत संदेश

करछना। शनिवार को करछना ब्लॉक के पूर्व माध्यमिक विद्यालय खेक्सा में धरवारा संकुल प्रभारी राज्यपाल पुरस्कृत रुश्दा नाहिद की अध्यक्षता में विदाई व सम्मान समारोह आयोजित हुआ । जिसमें विदाई गीत के साथ उनका सम्मान व अभिनंदन किया गया। वही इस अवसर पर मौजूद रहे लोगों की आंखें भी नम हो गई । लोगों की ओर से सेवानिवृत्त शाखा प्रबंधक को पुष्पमाला सहित उपहार भी भेंट किए गए। उन्होंने सभी के प्रति आभार व्यक्त करती हुई कहा कि अपने सेवाकाल में क्षेत्रीय जनों का भरपूर सहयोग प्राप्त रहा । और सभी का मुझे सन्ह बराबर मिलता रहा । विदाई और सम्मान समारोह में बतौर मुख्य रूप से उपस्थित रहे राम अचल सिंह पब्लिक स्कूल एंड कॉलेज मेदिनी सिंह का पूरा के प्रबंधक आचार्य रणविजय सिंह ने भडेवरा बैंक की शाखा प्रबंधक प्रभा रावत के कार्यकाल की बखूबी सराहना करते हुए उनके कृतित्व व व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रबंधक ने पूर्ण ईमानदारी और निष्ठा से अपने कार्यों में संलग्न रही । उन्होंने अंगवस्त्रम भेंट कर उनका सम्मान किया। पूर्व माध्यमिक विद्यालय खेक्सा की प्रधानाध्यापिका की ओर से विदाई व सम्मान समारोह में शिरकत किए सभी लोगों के प्रति आभार भी जताया गया। समारोह का संचालन लाल बहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज धरवारा के प्रवक्ता सुधीर कुमार गुप्ता ने किया । इस मौके पर शिक्षक शांति प्रसाद विश्वकर्मा रणविजय सिंह राजेश सिंह अनिल कुमार भारती सुरेश सिंह योगेंद्र राम अनीता सिंह रेनू श्रीवास्तव अमित कुमार तिवारी जितेंद्र कुमार पटेल आदि लोग मौजूद रहे ।

विधायक ने पत्रकारों को अंगवस्त्रम प्रदान कर किया सम्मानित

अखंड भारत संदेस

करछना। भाजपा मंडल अध्यक्ष कौंधियारा शिव प्रसाद केसरवानी के नेतृत्व में आयोजित किए गए कार्यक्रम की कवरेज के लिए पहुंचे पत्रकार अब्दुल अलीम शास्त्री, रिपोर्टर संजीव कुमार द्विवेदी, पत्रकार लालता प्रसाद मिश्र, बारा बिधानसभा रिपोर्टर पिंटू सिंह जारी को बारा विधायक व भाजपा जिलाध्यक्ष के द्वारा अंगवस्त्रम प्रदान करते हुए सम्मानित किया गया।

पत्रकारों का सम्मान करते हुए भाजपा विधायक के द्वारा कहा गया कि पत्रकार ही समाज की वह कड़ी है जो समाज के वंचित लोगों की पीड़ा को अपनी कलम के माध्यम से जन जन तक पहुंचाता है जिससे उस वंचित व्यक्ति को न्याय मिल सके। वही समाज में व्याप्त बुराइयों को भी दूर करने के लिए पत्रकार ही अपनी कलम से लेख लिखकर लोगों को जागरूक करता है। वही इस संदर्भ में भाजपा जिलाध्यक्ष विभव नाथ भारती के द्वारा कहा गया कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, जो बिना किसी भेदभाव के समाज के हर वर्ग की खबरों का संकलन निर्भीकता से करते हुए जन जन तक पहुंचाता है।

कार्यालय ग्राम पंचायत लोहदी
विकास खंड करछना-प्रयागराज

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत लोहदी में 14वां / पंचम/ चतुर्थ राज्य वित्त/ केंद्रीय वित्त/ मनरेगा के अंतर्गत इंटरलॉकिंग, नाली निर्माण, सोलर लाइट, स्कूल कायाकल्प, हयूम पाइप, सफाई कीट, खड़ंजा कार्य एवं हैंडपंप मरम्मत एवं रिबोर , मरम्मत हेतु ईट इंटरलॉकिंग, स्ट्रीट लाइट, आंगनबाड़ी केंद्र, ईट, सीमेंट सरिया, बालू, हैंडपंप निर्माण एवं मरम्मत, हैंडपंप रिबोर सोख्ता, शौचालय निर्माण एवं मरम्मत, बाउंड्री निर्माण, खाद गड्ढा, पुलिया, गिट्टी हेतु आवश्यक सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मों से दिनांक 02.08.2021 तक सील बंद निविदा आमंत्रित की जाती है। समस्त निविदा दिनांक 04.08.2021 को अपराहन 3:00 बजे उपस्थित फर्मों के समक्ष खोली जाएगी। निविदा स्वीकृत/ अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में निहित होगी। क्रय सामग्री ग्राम पंचायत में स्वीकृत व् प्रॉवलन के अनुसार पृथक- पृथक होगी। निविदा ग्राम पंचायत में वित्तीय वर्ष 2021-22 में कराए जाने वाले कार्य हेतु प्रभावी होगी। यदि किसी फर्म द्वारा कार्य पूर्ण होने के पहले सामग्री आपूर्ति में लापरवाही बरती जाती है, तो उसके स्थान पर किसी अन्य फर्म को स्थान दिया जाएगा जिससे विकास कार्य प्रभावित न हो।

श्रीमती कुसुम देवी
(ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत लोहदी
वि0ख0 करछना, प्रयागराज

अब्दुल बारी
(ग्राम पंचायत अधिकारी)
ग्राम पंचायत लोहदी
वि0ख0 करछना, प्रयागराज

मंडलायुक्त की अध्यक्षता में स्मार्ट सिटी बैठक संपन्न, कार्यों की प्रगति की धीमी गति पर दिखाई नाराजगी

लंबित टेंडर को 1 माह के अंदर समाप्त करने के दिए सख्त निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मंडलायुक्त संजय गोयल की अध्यक्षता में आज गांधी सभागार में प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड की प्रगति समीक्षा बैठक संपनन् हुई जिसमें स्मार्ट सिटी के अंतर्गत हो रहे कार्यों की प्रगति की धीमी गति पर उन्होंने खासी नाराजगी जताई। उन्होंने सभी कार्यों पर विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए सभी संबंधित कार्यों के लंबित टेंडरों को 1 माह के भीतर पूर्ण करवाने के निर्देश दिए। साथ ही जो कार्य विभागीय एनओसी ना मिलने से लंबित हैं उनके निस्तारण हेतु सीईओ, स्मार्ट सिटी, को संबंधित विभागों के उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाने को कहा। मंडलायुक्त ने यह भी निर्देशित किया कि हर प्रोजेक्ट का तकनीकी प्रशिक्षण 5 दिन के भीतर पूरा होना चाहिए। विभिनन् परियोजनाओं पर बिंदुवार चर्चा करते हुए इलाहाबाद पब्लिक लाइब्रेरी के भवन संरक्षण एवं उसकी पुस्तकों के डिजिटाइजेशन हेतु किए जा रहे कार्यों में सिविल एवं संरक्षण कार्य हेतु प्राथमिकता पर टेंडर निकालने का निर्देश दिया।

महामना मालवीय स्टेडियम में विकसित किए जा रहे स्मार्ट स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर पर चर्चा करते हुए उन्होंने निर्देशित किया कि सभी तकनीकी पैमानों पर क्षेत्रीय क्रीडा अधिकारी एवं संबंधित विभाग से अनुमोदन लेने के पश्चात ही अंतिम लेआउट तैयार किया जाए जिससे कार्यों के अंतिम निष्पादन के समय किसी भी प्रकार की समस्या ना आए।

स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत शहर में 4 टूरिस्ट इनफॉरमेशन सेंटर भी विकसित करने का प्रस्ताव है जिस पर चर्चा करते हुए उन्होंने इन सेंटरों को राजस्व परिपेक्ष से आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा ऐसा करने से वह निरंतर चलते रहें गे। बैठक में उपस्थित जिलाधिकारी, श्री संजय खत्री, ने कहा कि लंबित परियोजनाओं के बेहतर निष्पादन हेतु साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक अनिवार्य है। उन्होंने सभी भूमि संबंधित प्रकरणों में लिखित में अनुमोदन लेने के पश्चात ही कार्यों को आगे बढ़ाने का भी सुझाव दिया। बैठक में शहर में विकसित किए जा रहे है 75 स्मार्ट टॉयलेट्स की लोकेशन पर भी चर्चा की गई जिस पर मंडलायुक्त ने निर्देशित किया कि सभी स्मार्ट टॉयलेट्स की जीपीएस मार्किंग अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराएं।

विलक्षण प्रतिभा की धनी रही बैंक शाखा प्रबंधक की हुई विदाई

अखंड भारत संदेश

भड़ेवरा/करछना। क्षेत्र के भडेवरा बाजार में स्थित शाखा बड़ौदा यू पी बैंक की मुख्य प्रबन्धक श्री मती प्रभा रावत का कार्य काल समाप्त होने पर केक काटकर सौहार्दपूर्वक विदाई की गई ।बैंक प्रबंधक के अलावा एक अच्छी कवियित्री के रूप में भी सराहनीय योगदान देने वाली श्री मती के विदाई समारोह में मौजूद रहे बैंक के समस्त स्टाप , सह प्रबन्धक धनेश्वर मोहराना ,के साथ बिपिन बिहारी अग्रवाल, निवेश पांडेय ,साक्षी सरन, रेणुका वर्मा , बैंक अधिवक्ता अरविंद सिंह मैसेंजर राम लखन , रूपधर ,भोला नाथ पटेल ,हरिकृष्ण पांडेय आदि ने माल्यार्पण कर किया ।श्री मती रावत ने बताया कि इस क्षेत्र में कार्य करते हुए काफी सम्मान मिला है,और समस्त क्षेत्र वासियों का सहयोग मिला जिससे की मै इतने वर्षो तक कार्य किया और ये भी कहा कि हमारे कार्यकाल में हमारे द्वारा कुछ गलती हुइ।

महान कवि प्रेमचंद की कहानियां आज भी प्रासंगिक है : डॉ अमित

अखंड भारत संदेश

सहसों । हरिओम चैरिटेबल ट्रस्ट सहसों में शनिवार को महान कथाकार एवं महान लेखक, लिखनी जगत के महानायक कवि मुंशी प्रेमचंद्र की जयंती पर संस्था द्वारा आयोजित गोष्ठी में क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों, चिकित्सकों एवं शिक्षकों ने मुंशी प्रेमचंद द्वारा लिखित कहानी, उपन्यास एवं समाज के लिए सदैव प्रेरित करने वाली कहानियों का जिक्र करते हुए उन्हें नमन किया।

इस अवसर पर डॉ अमित यादव ने कहा कवि मुंशी प्रेमचंद आधुनिक हिंदी के पितामह हैं। समाज में व्याप्त समस्याओं का जीवंत चित्रंण अपनी कहानियों में करते हुए समाज सुधार में अग्रणी भूमिका निभाई। उनके द्वारा रचित सभी कहानियां आज भी प्रासंगिक और पारलौकिक हैं। उन्होंने मंत्र कहानी का जिक्र करते हुए कहा कि आज भी कहानी का जीवंत रूप समाज के लोगों को मंत्र दे रहा है। उन्होंने संदेश दिया कि चिकित्सकों का मूल मंत्र मरीजों की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहें तथा दूसरे भगवान के रूप में उन्हें जीवनदान प्रदान करते रहें। ऐसी महान विभूतियों को हम सब शत-शत नमन करते हैं। जिन्होंने जीवन पर्यंत समाज सुधार के लिए अपनी लेखनी के माध्यम से लोगों को प्रेरित करते रहे । गोष्ठी में प्रमुख रूप से डॉ दिलीप, डॉ केसी गुप्ता ,डॉ संजय सिंह, प्रधान विष्णू केसरवानी, नीरज, चन्द्रआकाश केसरवानी, पंकज सिंह, इंजीनियर बद्री सिंह आदि उपस्थित रहे।

सहसों । हरिओम चैरिटेबल ट्रस्ट सहसों में शनिवार को महान कथाकार एवं महान लेखक, लिखनी जगत के महानायक कवि मुंशी प्रेमचंद्र की जयंती पर संस्था द्वारा आयोजित गोष्ठी में क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों, चिकित्सकों एवं शिक्षकों ने मुंशी प्रेमचंद द्वारा लिखित कहानी, उपन्यास एवं समाज के लिए सदैव प्रेरित करने वाली कहानियों का जिक्र करते हुए उन्हें नमन किया। इस अवसर पर डॉ अमित यादव ने कहा कवि मुंशी प्रेमचंद आधुनिक हिंदी के पितामह हैं। समाज में व्याप्त समस्याओं का जीवंत चित्रंण अपनी कहानियों में करते हुए समाज सुधार में अग्रणी भूमिका निभाई। उनके द्वारा रचित सभी कहानियां आज भी प्रासंगिक और पारलौकिक हैं। उन्होंने मंत्र कहानी का जिक्र करते हुए कहा कि आज भी कहानी का जीवंत रूप समाज के लोगों को मंत्र दे रहा है।

उन्होंने संदेश दिया कि चिकित्सकों का मूल मंत्र मरीजों की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहें तथा दूसरे भगवान के रूप में उन्हें जीवनदान प्रदान करते रहें। ऐसी महान विभूतियों को हम सब शत-शत नमन करते हैं। जिन्होंने जीवन पर्यंत समाज सुधार के लिए अपनी लेखनी के माध्यम से लोगों को प्रेरित करते रहे । गोष्ठी में प्रमुख रूप से डॉ दिलीप, डॉ केसी गुप्ता ,डॉ संजय सिंह, प्रधान विष्णू केसरवानी, नीरज, चन्द्रआकाश केसरवानी, पंकज सिंह, इंजीनियर बद्री सिंह आदि उपस्थित रहे।

प्रगतिशील मानव समाज पार्टी की आगामी

अखंड भारत संदेश

सहसों। प्रगतिशील मानव समाज पार्टी के तत्वावधान में शुक्रवार को पार्टी कार्यालय सहसों में कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों का बैठक संपनन् हुआ। जिसमें आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए पार्टी के रीति नीति एवं रणनीतियों पर विचार किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए पार्टी के जिला उपाध्यक्ष राकेश कुमार जायसवाल ने बताया कि पार्टी की अगली बैठक 2 अगस्त सोमवार को ग्राम सभा सरपतीपुर हनुमानगंज में संपनन् होना है। जिसमें सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को बैठक में शामिल होना अनिवार्य है। जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमचंद बिंद बतौर मुख्य अतिथि के रुप में शामिल रहेंगे। बैठक में प्रमुख रूप से ननकू राम बिंद, मोहनलाल बिंद, मानसिंह बिंद, गिरधारी लाल सरोज, पूर्णवासी लाल बिंद, रामजतन बिंद, वी पी परवाना, मौजी लाल बिंद, संगम लाल बिंद सहित आदि कार्यकर्ता गंण उपस्थित रहे।

छात्रों को विद्यालय खुलने का इंतजार

घर में बैठे-बैठे मानसिक कुंठा का शिकार हो रहे हैं छात्र

अखंड भारत संदेश

नारीबारी। कोरोना महामारी के चलते वर्षो से बंद पड़े विद्यालयों के चलते प्राइमरी से इंटर तक के छात्र-छात्राओं की शैक्षिक व्यवस्था पूर्ण रूप से प्रभावित छात्रों की मनह स्थित में और रुचि में आया बदलाव जिसके कारण घर में रहकर पठन-पाठन में नहीं लग रहा है उनका मन ऑनलाइन कक्षाएं भी उनके लिए बहुत कारगर साबित नहीं हो रही है क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश छात्र छात्राओं के परिवार में एंड्राइड मोबाइल नहीं है और यदि किन्हीं-किन्हीं घरों में है भी तो एक ही मोबाइल पर कई बच्चे आधारित है जिस पर ऑनलाइन कक्षाएं लेना संभव नहीं है इसको लेकर छात्रों के अभिभावक भी उनकी शिक्षा व्यवस्था को लेकर काफी चिंतित हैं और यह सोचने के लिए मजबूर हैं नवनिहालों के भविष्य का अब क्या होगा कभी पहली लहर और कभी दूसरी लहर और तीसरी लहर की सम्भावना के बीच शिक्षा व्यवस्था पूर्णरूपेण टूट चुकी है और छात्रों का भविष्य खतरे में है इसको लेकर यदि अभिभावकों की माने तो उनका कहना है कि सरकार द्वारा रेस्टोरेंट्स से लेकर बाजारों, विभिनन् कारखानों व परिवहन की सेवाओं को यहां तक कि शराब भांग के ठीके खोल दिए गए हैं लेकिन विद्यालय क्यों नहीं खोले जा रहें हैं जबकि विद्यालय एक जागरूक शिक्षा का स्थान है जहां कोरोना को लेकर हिदायत भी बरती जा सकती है और इसके बीच कोरोना से बचा और बचाया जा सकता है गौरतलब है कि शासन द्वारा खोले गये स्थानों पर वर्तमान समय में न किसी भी प्रकार की सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया जा रहा है न ही मास्क लगाया जा रहा है क्षेत्रीय अभिभावकों व गणमान्य व्यक्तियों ने प्राथमिक स्तर पर नौ से बारह तक की कक्षाओं को खोलने की मांग की है।

माण्डा सीएचसी स्वास्थ्य विभाग के द्वारा वेक्सीनेशन शिविर लगाया जाएगा

मेजा/ मांडाखास। -: प्रयागराज स्वास्थ्य विभाग द्वारा मांडा क्षेत्र के भारतगंज कस्बे सहित आधा दर्जन ग्राम पंचायतों के प्राथमिक विद्यालयों पर मंगलवार को वैक्सीनेशन शिविर लगवाया जायेगा। जानकारी सीएचसी अधीक्षक मांडा डॉक्टर सुरेश कुमार सोनकर ने दी कि 3 अगस्त मंगलवार को 3 हजार लोगों को वैक्सीन के टीके लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिये नगर पंचायत कार्यालय भारतगंज के अलावा मांडाखास, तिसेन तुलापुर, नकटी, भरारी, हड़िया आदि ग्राम पंचायतों के प्राथमिक विद्यालयों में वैक्सीनेशन शिविर सीएचसी द्वारा लगाया लायेगा। अधीक्षक ने ग्रामीणों तथा संबंधित ग्राम प्रधानों से अधिक से अधिक लोगों को वैक्सीन के टीके लगवाने की अपील की है।

ऐसा विकास कीजिए की भाजपा आपका सदैव सम्मान करती रहे-विभवनाथ भारती

अखंड भारत संदेश

जसरा।प्रयागराज। नव निर्वाचित जिला पंचायत सदस्यों, ग्राम प्रधानों एवं क्षेत्र पंचायत सदस्यों का अभिनन्दन समारोह भारतीय जनता पार्टी यमुनापार द्वारा विकास खंड जसरा ब्लाक सभागार में शनिवार को आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष जगत नारायण शुक्ल ने किया। मुख्य अतिथि के तौर पर यमुनापार जिलाध्यक्ष विभव नाथ भारती मौजूद रहे।

जिलाध्यक्ष ने सर्वप्रथम नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष को शुभकामनाएं दी, तो मंडल अध्यक्ष ने जिलाध्यक्ष सहित शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया। उसके उपरांत जिला पंचायत सदस्य आलोक कोल, सुरेन्द्र पटेल, प्रधान संघ अध्यक्ष दारासिंह पटेल,आशीष सोनकर,शनिसिंह, प्रदीप कुमार मिश्र, क्षेत्र पंचायत सदस्य चिंता मणि पटेल, आशीष साहू,अवध विहारी मिश्र, वीरेंद्र पाठक आदि का स्वागत अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के अंत मे विधायक बारा डॉ अजय कुमार भी कार्यक्रम में शामिल होकर नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों का स्वागत किया।

जिलाध्यक्ष ने प्रधानों क्षेत्र पंचायत सदस्यों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भाजपा के विकास वादी नीति से जुड़ने व विकास को गति देने में आपकी अहम भूमिका है। आपका सम्मान सदैव आगे भी होता रहे। आपको इस लिए विना भेदभाव के अपने-अपने क्षेत्रों में विकास करना होगा। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता रमाकांत विश्वकर्मा,जय सिंह पटेल,कमलेश त्रिपाठी, प्रकाश शुक्ल प्रचंड, दिलीप कुमार चतुर्वेदी, मनोज गुप्ता,नीरज केसरवानी, वीरेंद्र पाठक,हजारी पटेल,अम्बुज त्रिपाठी,अवध विहारी, अशोक तिवारी,राजन प्रताप सिंह, रावेन्द्र तिवारी, अर्जुन विश्वकर्मा, सुधांशु मिश्र, राहुल पाल आदि भाजपा के पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

माण्डा सीएचसी में वैक्सीन के टीके लगवाने वाले कि भीड़ बढ़ी

मेजा/माण्डा। प्रयागराज मांडा में 382 लोगों को वैक्सीन के टीके लगाये गये तथा 202 लोगों की कोरोना जांच करायी गयी। जानकारी सीएचसी अधीक्षक मांडा डॉक्टर सुरेश कुमार सोनकर ने दी कि शनिवार को मांडा सीएचसी में 263 युवाओं और 119 बुजुर्गों सहित 382 लोगों को वैक्सीन के टीके लगाये गये। कुल 202 लोगों की कोरोना जांच करायी गयी, जिनमें सभी की रिपोर्ट निगेटिव रही। शनिवार को भी सीएचसी में वैक्सीन के टीके लगवाने वालों की भारी भीड़ रही। लेकिन मौजूद पुलिसकर्मियों ने लाइन लगवाकर लोगों का किसी तरह वैक्सीनेशन कराया।

आयुष्मान कार्ड बनने से छूटे परिवार होंगे लाभान्वित

शंकरगढ़ में 26 जुलाई से चलाया जा रहा है अभियान

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़,प्रयागराज। विकास खण्ड शंकरगढ़ के ग्राम पंचायतों में 26 जुलाई से आयुष्मान योजना के बाकी बचे हुए चिन्हित परिवारों/व्यक्तियों के पात्र लोगों का वृहद आयुष्मान कार्ड बनाने का अभियान चलाया गया है। योजना को सफल बनाने हेतु समस्त कॉमन सर्विस सेंटर के वीएलई के माध्यम से गांवों में शिविर लगाकर पात्रों का आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है।

आयुष्मान कार्ड कैम्प बनवाने के अभियान में कल्याणपुर के सीएससी केन्द्र द्वारा कल्याणपुर, गोबरा हेवार, देवखरिया, टिकरौही कलां, सोनपुरा, पहाडी खुर्द, मवैया पहलवान आदि गांवों में कैम्प लगाया जाएगा। शनिवार को ब्लॉक प्रमुख निर्मला देवी के मौजूदगी में उनके गाँव टिकरौही कला में 23 लाभाथिच्यों का आयुष्मान कार्ड बना। एनम पूनम सिंह, संगनी पार्वती, आशा विमला देवी कैम्प में मौजूद रहीं। जिला कोऑर्डिनेटर कॉमन सर्विस सेंटर आशीष तिवारी द्वारा अवगत कराया गया कि इस योजना अंतर्गत लाभाथिच्यों का कार्ड निशुल्क बनाया जा रहा है। कार्ड बनाने वाले जन सुविधा केंद्रों के ऑपरेटर को शासन द्वारा प्रोत्साहन राशि दी जाएगीत् बताया की आयुष्मान कार्ड बनवाने हेतु कैम्प स्थल पर लाभार्थी द्वारा आधार कार्ड, राशन कार्ड, परिवार पंजिका की नक़ल अथवा प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री का पत्र और आधार कार्ड लेकर आना अनिवार्य है ।

शंकरगढ़-नारीबारी मार्ग डूबा,उफनाई कल्याणपुर की नदी

पुल के ऊपर तीन फिट बह रहा पानी

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़,प्रयागराज। पिछले कुछ दिनों से हो रही बरसात से नदी-नाले और तालाब भर गए हैं। खेतों का पानी मेड़ के ऊपर से बह रहा है। गली-मोहल्ले में भी जलमगन हैं।

नालियों के चोक होने की समस्या का दंश स्थानीय लोग झेल रहे हैं।बरसाती पानी की वजह से नारीबारी और शंकरगढ़ के बीच बहने वाली पहाड़ी नदी भी उफना गई है और इसका पानी सड़क के ऊपर से बह रहा है। इस बरसाती नदी के ऊपर शंकरगढ़-नारीबारी रोड पर कल्याणपुर में एक पुल बनाया गया है। मौजूदा समय में यह पुल पानी में पूरी तरह से डूब गया है और नदी का पानी पुल के तीन फिट ऊपर से बह रहा है। इस वजह से दर्जनों गांवों का आवागमन/संपर्क ठप पड़ गया है।

पानी का तेज बहाव होने के कारण लोगों को दूसरे मार्ग से आगे का सफर करना पड़ रहा है। बताया जाता है कि तेज बहाव के बीच बाइक, साइकिल इत्यादि पार करने के लिए स्थानीय कुछ लोग वसूली भी करने लगे हैं।शंकरगढ़-नारीबारी मार्ग की लंबाई तकरीबन 18 किमी है। कल्याणपुर में बने पुल के डूबने से शंकरगढ़,कल्याणपुर, टंडनवन, नारीबारी और समीपवर्ती गांवों के लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

चनैनी ग्राम पंचायत में वैक्सीनेसन शिविर 3 अगस्त को प्रधान

करछना। विकास खंड के चनैनी गांव के प्राथमिक विद्यालय पर 3 अगस्त को 18 वर्ष के आयु के उपर के लोगों को कोविड का टीका करण किया जायेगा, चनैनी गांव के प्रधान धीतेश तिवारी ने गांव के सभी 18 वर्ष के लोगों से अपील की है कि उक्त तिथि पर गांव के सभी लोग उपस्थित होकर कोरोना महामारी के बचाव के लिए कोविड टीका करण अवश्य लगवाए ।

ईश्वरदीन छेदीलाल इण्टर कॉलेज जसरा में रित्तिक ने पाया सवीच्च अंक,हर्ष

अखंड भारत संदेश

जसरा।प्रयागराज। विकास खंड के जसरा में माध्यमिक विद्यालयों का परीक्षा परिणाम शनिवार को घोषित किया गया। श्री ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कालेज जसरा के एक छात्र ने विद्यालय में सवीच्च अंक प्राप्त कर क्षेत्र व अपने माता पिता का नाम रोशन किया है।

श्री ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कालेज जसरा में कक्षा दस का छात्र रितिक पांडेय ने विद्यालय में सबसे अधिक 88 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। रितिक के नाना नेत्र नारायण मिश्र ने नाती के सवीच्च अंक पाने पर बधाई दी है। इसी तरह शिवम सिंह 86 प्रतिशत,दीपांशु केसरवानी 84 प्रतिशत,राम मोहन पाठक 72 प्रतिशत,शिवा धुरिया78 प्रतिशत,अक्षांश श्रीवास्तव 70 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है।

विकासखंड का विकास सबको साथ लेकर ही संभव : प्रवीण पटेल

अखंड भारत संदेश

सहसों। नवसृजित विकासखंड सहसों के नवगठित ब्लॉक सहसों के सम्मानित क्षेत्र पंचायत सदस्य, ग्राम पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान एवं नवनिर्वाचित ब्लाक प्रमुख के सम्मान समारोह में शुक्रवार को बतौर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक प्रवीण पटेल ने कहा कि इस नवसृजित विकासखंड के विकास में सभी नवनिर्वाचित सम्मानित जनों को एक साथ मिलकर विकास करने में सहयोग करना होगा तभी विकास संभव है ताकि सहसों विकासखंड का नाम जिला एवं प्रदेश में सवीपरि रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने सभी नवनिर्वाचितों को अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया। इस सम्मान समारोह की अध्यक्षता करते हुए नवनियुक्त ब्लाक प्रमुख गीता सिंह ने सभी सम्मानित को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया। समारोह का संचालन गुलाब प्रसाद त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से राकेश बहादुर सिंह, समारोह के संयोजक भूपेन्द्र कुमार मिश्रा, सहसंयोजक एवं मीडिया प्रभारी बृजेश कुमार त्रिपाठी, शिव नारायण सिंह गप्पू वरिष्ठ समाज सेवी, मंडल अध्यक्ष अनिल सरोज, महामंत्री पवन कुमार शुक्ला, सत्यम हिंदू, प्रमोद कुमार, प्रताप बहादुर सिंह, रवि भारतीया, बृजेश पांडे, कृष्ण प्रताप सिंह, नरसिंह जी, सत्यम त्रिपाठी, अनिल जायसवाल सहित कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

जयंती पर याद किये गये कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद

सृजना कुटीर में आयोजित हुई संगोष्ठी

प्रतापगढ़। एलायंस क्लब इंटरनेशनल एवं सृजना साहित्यिक संस्था के संयुक्त तत्वावधान में सृजना कुटीर, अजीत नगर में कथासम्राट मुंशी प्रेमचंद के शानदार कथा लेखन पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ। सर्वप्रथम जीआईसी परिसर में स्थापित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण हुआ।

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार डॉ0 दयाराम मौर्य रत्न ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद ने प्रतापगढ़ के समाज में व्याप्त कुरीतियों, विसंगतियों, भेदभाव, छुआछूत, शोषण, उत्पीड़न और अशिक्षा से लाचार समाज की

घटनाओं को अपनी कथाओं में पिरोया। एलायंस क्लब इंटरनेशनल के अन्तर्राष्ट्रीय कमेटी चेयरमैन एवं प्रख्यात समाजसेवी रोशनलाल ऊमरवैश्य ने कहा कि प्रेमचंद की कहानियाँ तत्कालीन जनसाधारण की जीवन-व्यथा का दर्पण है। ट्रस्टी आनन्द मोहन ओझा ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद्र मानव अंतरद्वंद्व का मार्मिक चित्रण करके हिंदी साहित्य को समृद्ध किया। संगोष्ठी में उनकी मुख्य कहानियों की समीक्षा भी हुई। बोलने वालों में, कथाकार प्रेम कुमार त्रिपाठी प्रेम, श्रीनाथ मौर्य सरस, कुंज बिहारी लाल मौर्य काकाश्री, अमरनाथ गुप्ता बेजोड़, राजीव कुमार आर्य, जितेन्द्र कुमार मौर्य, राधेश्याम दीवाना, विवेक यादव इत्यादि साहित्यकार-प्रबुद्धजन प्रमुख थे। संचालन राधेश्याम दीवाना ने किया।

सदी का सफलतम कथा सम्राट थे मुंशी प्रेमचंदः प्रोफेसर

प्रतापगढ़। कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर लायंस क्लब प्रतापगढ़ हर्ष, गौरव, शक्ति व अवध तथा प्रयागराज वसुधा के द्वारा राजकीय इंटर कालेज प्रांगण में स्थापित मुंशी प्रेमचंद की प्रतिमा पर लायन डॉ श्याम शंकर शुक्ला श्याम के संयोजन में माल्यार्पण कर एक कालजयी साहित्यकार कथा सम्राट, कहानीकार, उपन्यासकार को स्मरण किया गया। डॉक्टर श्याम शंकर शुक्ला श्याम ने जयंती के अवसर पर मुंशी प्रेम चंद्र के बारे में बताया। सम्राट मुंशी प्रेमचंद के जीवन वृत्त पर प्रकाश डालते हुए डॉक्टर पीयूष कांत शर्मा रीजन चेयरपर्सन व असिस्टेंट प्रोफेसर एमडीपीजी ने अपने उद्बोधन में उन्हें सदी का सबसे सफलतम कथा सम्राट के रूप में स्वीकार किया और कहा कि उनकी कहानियां समाज के उन सभी बिंदुओं को स्पर्श किया। कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट जीएसटी को चेयरपर्सन मैथिली सिंह, रीजन चेयरपर्सन पुष्पांजलि शुक्ला, जोन चेयरपर्सन डॉ क्षितिज श्रीवास्तव, संतोष भगवन, राजेश पाल, अमितेंद्र श्रीवास्तव, के.बी. सिंह, संतोष पांडे, राजेंद्र शुक्ला, सूबेदार उपाध्याय, राकेश शुक्ला लायंस क्लब शक्ति की प्रशासक लक्ष्मी मिश्रा सचिव अनीता पांडे कोषाध्यक्ष प्रमिला शुक्ला, शिवम तिवारी आदि लोग उपस्थित रहे।

शहीद रितेश को प्रमोद व मोना ने दी श्रद्धांजलि

लालगंज, प्रतापगढ़। केन्द्रीय कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य प्रमोद तिवारी तथा कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने हिमांचल प्रदेश मे देश की सेवा मे शहीद जिले के अमर शहीद रितेश पाल की शहादत को नमन किया है। प्रमोद तिवारी तथा विधायक मोना ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलन एवं सरहद की रक्षा मे देश की आन-बान-शान के लिए प्रतापगढ़ की माटी के लालों ने जब जब जरूरत पड़ी है अपनी महान शहादत दी है। नेताद्वय ने कहा कि रितेश की शहादत से भी आज प्रतापगढ़ राष्ट्र की सम्प्रभुता की हिफाजत के लिए अपने योगदान को लेकर गौरवांन्वित हो उठा है। नेताद्वय का बयान यहां मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने शनिवार को निर्गत किया है।

विदाई समारोह में रजिस्टार कानूनगो रामलोचन हुए सम्मानित

लालगंज, प्रतापगढ़। स्थानीय तहसील सभागार मे शनिवार को सेवानिवृत्त रजिस्टार कानूनगो एवं आरके संघ के प्रदेश अध्यक्ष रामलोचन त्रिपाठी व आरके अमरनाथ पटेल को समारोहपूर्वक विदाई दी गई। लेखपाल संघ एवं राज्य कर्मचारी महासंघ तथा अधिक्ताओं के द्वारा आयोजित कार्यक्रम मे साथी कर्मचारियों व अधिकारियो ने सेवानिवृत्त हुए रामलोचन त्रिपाठी तथा अमरनाथ पटेल को अंगवस्त्रम, स्मृति चिन्ह तथा शॉल व धार्मिक ग्रन्थ प्रदान करते हुए माल्यार्पण कर सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि उपजिलाधिकारी राहुल यादव ने कहा कि जनापेक्षी कार्य संस्कृति ही लोकसेवक की पूंजी हुआ करती है। नायब तहसीलदार आकांक्षा मिश्रा ने कहा कि प्रशासनिक सेवा मे ईमानदारी तथा सत्य निष्ठा ही सेवा का अलंकरण है। अध्यक्षता करते हुए तहसीलदार श्रद्धा पाण्डेय ने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद प्रशासनिक कर्मचारी संवर्ग को सामाजिक निर्माण के उत्तरदायित्व का भी मजबूत संकल्प ही सेवा का सम्मान है। संचालन लेखपाल संघ के अध्यक्ष रामचंद्र त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ऑल इण्डिया रूरल बार एसोशिएसन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल, पूर्व अध्यक्ष राव वीरेन्द्र सिंह, देवी प्रसाद मिश्र, अनिल त्रिपाठी महेश, शरदचंद्र, अशोक द्विवेदी, मो. अकरम, राकेशकांत मिश्र, गणेश चिंतामणि, कुलदीप, श्रीकृष्ण मुरारी आदि ने भी संबोधित किया।

अनियमित जीवनशैली से लोगों को प्रभावित कर रहा मधुमेहः पीयूषकांत

प्रतापगढ़। लायंस क्लब प्रतापगढ़ हर्ष, गौरव शक्ति व अवध तथा प्रयागराज वसुधा द्वारा संयुक्त रूप से वन डिस्टिक वन प्रोग्राम के अंतर्गत मधुमेह जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह रैली कंपनी बाग से प्रारंभ होकर जिला कचहरी होते हुए कंपनी बाग पर संपनन हुई। इस अवसर पर सभी क्लबों द्वारा तैयार मधुमेह जागरूकता पंपलेट का भी वितरण किया गया।

कार्यक्रम में डिप्टी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पीयूष कांत शर्मा ने कहा कि अनियमित जीवनशैली से मधुमेह बहुत ही तेजी से लोगों को प्रभावित कर रहा है। रीजन चेयरपर्सन पुष्पांजलि शुक्ला ने कहा कि बहुत जल्द लायंस क्लब द्वारा परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। लायंस क्लब प्रयागराज की संस्थापक व जीएसटी को चेयर

पर्सन मैथिली सिंह ने कहा कि पैदल चलना मधुमेह रोगियों के लिए आवश्यक है। उन्हें अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना चाहिए। जोन चेयरपर्सन क्षितिज श्रीवास्तव ने कहा कि अतिशीघ्र कई स्थानों पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में समन्वयक संतोष भगवन लायंस क्लब के अध्यक्ष राजेश पाल, सचिव अश्वनी सिंह, कोषाध्यक्ष अमितेंद्र श्रीवास्तव, लायन के. बी. सिंह, आलोक सिंह, लायंस क्लब गौरव की अध्यक्ष कंचन सिंह, सचिव स्मृति सिंह, राकेश शुक्ला, बृजभानु सिंह, रवि सिंह, मालिनी केसरवानी, मनीष केसरवानी, लायंस क्लब शक्ति की प्रशासक लक्ष्मी मिश्रा, सचिव अनीता पांडे, कोषाध्यक्ष प्रमिला शुक्ला, लायंस क्लब अवध के प्रशासक संतोष पांडे, अध्यक्ष राजेंद्र शुक्ला, उपाध्यक्ष डा. ए.के. सिंह व सूबेदार उपाध्याय उपस्थित रहे।

वार्डों की साफ-सफाई का अधिशाषी अधिकारी ने किया सघन निरीक्षण

गोबर की गंदगी नालियों में डालने पर गाय मालिकों को दी चेतावनी

प्रतापगढ़। नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह शनिवार को नगर के विभिनन वार्डों में जाकर साफ-सफाई का जायजा लिया। उन्हें अधिकांश स्थानों पर तो साफ-सफाई मिली लेकिन कुछ स्थानों पर गोबर से गंदगी फैली और बरसात में यह गंदगी नालियों में जाकर गिरी थी। इस पर उन्होंने गाय के मालिकों को बुलाकर समझाया कि यहां गंदगी न करें, नहीं तो इसकी सफाई का खर्चा आपको देना पड़ेगा।

अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह के साथ शनिवार की सुबह नौ बजे ही निकल पड़े थे। उन्होंने विवेक नगर, टक्करगंज में निर्मल

पैलेस के पीछे पैदल घूमकर लोगों से साफ-सफाई का जायजा लिया। उसके बाद सनई अनुसंधान के पास पहुंचे तो वहां नाला क्लीनिंग मशीन से सफाई की जा रही थी। सबसे ज्यादा दिक्कत विस्तारित क्षेत्र देवकली में जल निकासी की हो रही है। बताया जाता है कि भंगवा चुंगी से लेकर सइया बांध के पुल तक सड़क के किनारे कच्चा नाला बना था। बाद में कुछ बांध में नाले का कुछ भाग पक्का भी किया गया था लेकिन देवकली, पितई का पुरवा आदि स्थानों पर लोगों ने नाले को भी भाट दिया है, इससे जल निकासी नहीं हो पा रही है। अधिशाषी अधिकारी ने इस नाले को सोमवार को सफाई करने तथा अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिये। देवकली में ही व्यायाम शाला के सामने से जाने वाली सड़क भी जगह-जगह टूटी हुई है।

यहां पर भी जल निकासी की समस्या हो रही है। अधिशाषी अधिकारी ने बताया गया कि यह सड़क लोक निर्माण विभाग की है। लोक निर्माण विभाग के जेई भी वहां मौजूद थे। उन्होंने सड़क और नाली को दुरुस्त कराने का निर्देश दिया।

जात पात नहीं विकास पर करें भरोसा- रीता बहुगुणा जोशी

शहजादे

कोरांव , प्रयागराज । भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार शनिवार को विकास खंड मांडा व कोरांव के नव निर्वाचित ग्राम प्रधान सहित क्षेत्र पंचायत सदस्यों व जिला पंचायत सदस्यों का नगर पंचायत कोरांव में स्थित इंद्रप्रस्थ गेस्ट हाऊस में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रयागराज की सांसद प्रोफेसर रीता बहुगुणा जोशी ने नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों को बधाई देते हुए कहा कि सांसद बनना आसान है किन्तु प्रधान बनना कठिन कार्य है।उन्होंने कहा कि आप लोगों को ग्राम वासियों के द्वारा जो जिम्मेदारी मिली है उसको आप लोग बिना भेदभाव के सरकारी योजनाओं

को जरूरत मंदों तक पहुंचाने का कार्य करें। जिससे आने वाले दिनों में आप लोगों को सम्मान प्राप्त हो सके। जोशी ने कहा सम्मान से बढ़कर इस दुनिया में कुछ नहीं है। अगर आप लोग निष्पक्ष रुप से किसी भी योजना में बिना भेदभाव किए जरूरतमंदों तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य करेंगे तो निश्चित तौर पर आप लोगों को सम्मान व दुबारा अवसर अवश्य मिलेगा। सांसद ने कहा कि पिछड़ापन दूर करना एक समाज का बड़ा कार्य है। आप सभी नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों से मेरी अपील है कि जाति पाति नहीं विकास पर भरोसा करें और पुनः भारतवर्ष को सोने की चिड़िया बनाने का कार्य करें। जिससे आप लोगों को जनता ने जिस विश्वास से सम्मान दिया है उसकी जिम्मेदारी आप लोग जनता के समक्ष उस सम्मान को जिम्मेदारी के रूप में निभाए। और पात्रों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाएं।

सांसद ने कहा केंद्र व प्रदेश सरकार ने कोरोना काल के दौर भीषण त्रासदी के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से इस भीषण त्रासदी ने पूरे विश्व में त्राहि-त्राहि पुरे देश में मची हुई थी ।उस समय फिर भी कोरोना काल के दौर में भारतवर्ष में सरकार के द्वारा सड़कों का निर्माण, पुलों का जाल , प्रवासी मजदूरों के लिए अनाज की व्यवस्था का सुंदर प्रबंध किया जाता रहा। भारत में केंद्र व प्रदेश सरकार के द्वारा कोरोना काल में जनहित के लिए प्रबंध किए गए ब्यवस्थाएं उसकी प्रशंसा विश्व स्वास्थ्य संगठन ने करते हुए कहा कि अगर किसी को कोरोना काल में सही प्रबंध के व्यवस्था की जानकारी लेना है तो वह भारतवर्ष के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ,उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से ले।

प्रतिनिधियों के बजाय महिला प्रधान खुद करें कामः रीता जोशी

अखण्ड भारत सन्देश

मेजा/माण्डा-: प्रयागराज पंचायत चुनाव में महिला आरक्षण 33 प्रतिशत है। लेकिन 45 प्रतिशत से अधिक महिलायें चुनाव में विजयी हुई हैं। जहां भी महिला प्रधान हैं, वहां महिला ही काम करें। पहले विकास कार्यों के लिये प्रधान सचिव के पीछे घूमते थे, लेकिन इस सरकार में अब किसी से दबने की जरूरत नहीं है। सही काम करने वाले हमेशा सिर उठाकर और गलत काम करने वाले सिर झुकाकर रहते हैं। उक्त विचार मांडा ब्लॉक के सभागार में शनिवार दोपहर भाजपा द्वारा आयोजित ग्राम प्रधान और क्षेत्र पंचायत सदस्य अभिनंदन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि

सांसद इलाहाबाद डॉक्टर रीता बहुगुणा जोशी ने व्यक्त किया। संचालन भगवानदास कुशवाहा तथा अध्यक्षता राजेश्वरी तिवारी ने किया। इस अवसर पर बाबा तिवारी, अशोक सिंह, राजेश शुक्ला, राजेश तिवारी, राजमणि द्विवेदी, मंडल अध्यक्ष दिघिया अखिलेश शुक्ला, मांडा जीत नारायण श्रीवास्तव, अयोध्या रविशंकर दूबे, संजय दूबे, कलक्टर सिंह, राजीव कुमार सिंह, रविन्द्र कुमार शुक्ला, रामबली मौर्या आदि तमाम लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के समापन पर सांसद ने मौजूद दस ग्राम प्रधानों और बीडीसी को रूमाल देकर सम्मानित किया

सर्राफा व्यवसाई से लाखों की लूट, दुकान में घुसकर बदमाशों ने वारदात को दिया अंजाम

सराय इनायत मे दिन दहाडे़ हुई लूट की घटना से क्षेत्र मे फैल सनसनी

अखंड भारत संदेश

हनुमानगंज । सरायइनायत थाना क्षेत्र मे शनिवार की सुबह बदमाशों ने लूट की घटना को अंजाम दिया बदमाश सर्राफा व्यवसाई की दुकान में घुसने के बाद सर आपसे मारपीट करने के बाद नशीला पदार्थ सुधाकर उसे अचेत कर दिया इसके बाद तिजोरी का ताला तोड़कर उसमें रखा लाखों के जेवरात लूटकर फरार हो गए सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद आसपास के लोगों से पूछताछ की लेकिन अभी तक कुछ ठोस सुराग हाथ नहीं लग सका। बतादें कि सराय इनायत थाना क्षेत्र के रामापुर चंदोहा गांव निवासी गणेश सोनी ने मोहनगंज बाजार स्थित एक ज्वेलरी की दुकान खोल रखी है। दुकान मे इनदिनों फर्नीचर का कुछ काम चलरहा है । जिसके चलते शनिवार कि सुबह घरसे जल्दी निकल गया थे । और दुकान पर तकरीबन 8 बजे सुबह पहुंच कर जैसे ही दुकान खोलकर अंदर गया उसके पीछे कुछ बमाश भी दुकान मे घुसगए दुकानदार गणेश सोनी कुछ समझ पाते कि बदमाशों ने उसपर हमला बोल दिया और उसे नशीला पदार्थ सुंघाकर

अचेत कर दिया। कुछदेर बाद दुकान मे लोगों की नजर पडी़ तो वहां आस पास के लोगों की भीड़ जमा होगयी। लोगों की मदद से दुकानदार गणेश सोनी को निकट के एक निजी अस्पताल मे भर्ती कराया गया है। जहां उसका उपचार चलरहा है।

चार पुलिस कर्मी हुए सेवानिवृत्त

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल द्वारा जिले के कुल चार पुलिस कर्मियों उ0नि0 जयकरन शर्मा, उ0नि0 मकसूद अहमद, मु0आरक्षी गंगाराम मिश्र व मु0आरक्षी अंगद सिंह को अधिवर्षता वर्ष पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह के दौरान श्रीरामचरित मानस व अंगवस्त्र भेंट की गयी तथा सभी को उत्कृष्ट कार्य के साथ कार्यकाल सकुशल पूर्ण करने पर प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी गई।

ऊधम सिंह आज भी हमारे दिलों में जिंदा है

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। क्रांतिकारी अमर शहीद वीर ऊधम सिंह राष्ट्र और युवाओं के लिये प्रेरणा के स्रोत है। उनका बलिदान इतिहास के पनने में स्वर्णाक्षरों में दर्ज रहेगा। जलिया वाला बाग कांड का बदला लेकर उन्होंने देश का मान सम्मान बढ़ाया उक्त विचार डा. अम्बेडकर वेलफेयर एसोसिएशन (दावा) और प्रबुद्ध फाउंडेशन के अध्यक्ष उच्च

न्यायालय के अधिवक्ता रंगकर्मी रामबृज गौतम ने अलोपीबाग स्थित संस्था के कार्यालय पर आयोजित एक बैठक में कही। गौतम ने आगे बताया कि ऊधम सिंह जलिया वाला बाग की घटना से बहुत दुःखी थे। उन्होंने देशभक्ति का परिचय देते हुये जनरल डायर को सरेआम लन्दन में जाकर 13 जून 1940 को गोली मारकर हत्या कर थी और निदीष लोगों की हत्या का बदला लिया था। ऊधम सिंह आज भी हमारे दिलों में जिंदा है।

रीटा. चिकित्साधिकारी डा. एसपी सिद्धार्थ और डा. आरपी गौतम ने बताया कि ऊधम सिंह का आदर्श आज भी प्रासंगिक है। आज भारतीय समाज से सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिये सभी को एकजुट होने की जरूरत है। देश की आजादी के सात दशक बाद भी सरकारे क्रान्तिकारियो के सपनों का भारत नही बना पाई। क्रान्तिकारियो ने जिस समाज का निर्माण का सपना देखा था वह आज तक अधूरा है। क्रान्तिकारियो का जन्मदिवस व बलिदान दिवस मनाने का औचित्य तभी सार्थक होगा जब हम अपने ज्ञान को वैज्ञानिक तौर पर समझते हुये ज्ञान का प्रयोग समाज के विकास के लिये करेंगे।

बैठक में जीडी गौतम, आरआर गौतम, माता प्रसाद, रामलाल गौतम, हीरालाल बौद्ध, मुननेलाल बौद्ध, अशोक कुमार आदि उपस्थित रहे।

ट्रेनों, सामानों की चेकिंग संदिग्धों पर निगाह रखी जाय

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ जीआरपी थाने का निरीक्षण करने आये सीओ प्रथम रेलवे लखनऊ राजीव सिन्हा ने त्योहार के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था चुस्त दुरुस्त करने का निर्देश दिया है। ट्रेनों की चेकिंग के दौरान सामानों और संदिग्धों पर विशेष नजर रखने को कहा है। जो भी संदिग्ध मिले उसके खिलाफ सख्त कार्यवाई के निर्देश एसओ को दिया है।

इस दौरान उन्होंने मालखाने, शस्त्रागार और हवालात का विधिवत निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस कर्मियों से उनकी समस्या का बारे में पूछा। सड़क मार्ग से थाने पहुंचे सीओ ने पुलिस कर्मियों की सलामी ली। उन्होंने कहा कि सावन के साथ त्योहार शुरू हो गया है। आने वाले त्योहारों पर विशेष सतर्कता बरती जाय। जो भी पुलिस कर्मी लापरवाही करेगा उसके खिलाफ सख्त कार्यवाई की जायेगी। उन्होंने एसओ हरिनाथ यादव से अपराधी गतिविधियों में लिप्त अपराधियों के बारे में जानकारी ली। अपराध पर अंकुश लगाने को कहा। निरीक्षण के दौरान उपनिरीक्षक राधेश्याम सिंह, दीवान विनोद कुमार, विनोद निषाद, सूरज कुमार, अजय प्रजापति, सुनील यादव, धर्मेंद्र कुमार, शिव नारायण कुमार, सुनील यादव समेत कई पुलिस कर्मी मौजूद थे।

एंजिल्स इंटर कालेज में आंचल राय व साकेत गर्ल्स कालेज में आंचल त्रिपाठी अव्वल

हाईस्कूल में एंजिल्स में आंकाक्षा व साकेत में स्वाती वर्मा स्कूल टापर, राजस्व निरीक्षक की बेटी ने बढाया मान

प्रतापगढ़। उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा परिषद का हाईस्कूल व इंटर का रिजल्ट इस बार छात्रों के परीक्षा दिये बिना ही आया जिसमें वर्षा होने के कारण साढे़ तीन बजे घोषित रिजल्ट पांच बजे तक ज्यादातर विद्यालयों का नहीं मिल पाया था।

साकेत गर्ल्स इंटर कालेज में हाईस्कूल में स्वाती वर्मा 540 अंक पाकर पहले, शानवी यादव 536 अंक पाकर दूसरे, रिया यादव 535 अंक पाकर तीसरे स्थान पर रहीं। इंटरमीडिएट में 425 अंक पाकर आंचल त्रिपाठी पहले, 421 अंक पाकर कृति सिंह दूसरे, 420 अंक पाकर दिव्यांशी सिंह तीसरे स्थान

पर रहीं। बता दें कि हाईस्कूल में 85 छात्राएं थी जो सभी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई है। इंटरमीडिएट में 94 छात्राएं थी जो सभी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई है। उधर नगर के एंजिल्स इंटर कालेज में हाईस्कूल में आकांक्षा मौर्या 600 में से 522 अंक, हिमांशु यादव ने 600 में से 514 अंक, कौशिकी तिवारी ने 600 में से 508 अंक, तमनन बानो ने 600 में से 501 अंक, अमरिषा पाण्डेय ने 600 में से 495 अंक पाए हैं। इसी प्रकार इंटरमीडिएट में आंचल राय ने 500 में से 403 अंक, नूरजहां ने 500 में से 394 अंक, रेशम ने 500 में से 378 अंक, तनिषा कुमारी ने 500 में से 377 अंक और ऋषभ नारायण ने 500 में से 373 अंक हासिल किया है। इस दौरान रिजल्ट की वेबसाइट नहीं खुलने से छात्र-छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। बाघराय संवाददाता के मुताबिक बाघराय सुक्रुलपुर निवासी राजस्व निरीक्षक कौशांबी गोवर्धन कुमार शुक्ला की बेटी श्रद्धा शुक्ला ने सीबीएसई इंटर की परीक्षा में 500 में 437 अंक प्राप्त कर बाघराय क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस कामयाबी से स्वजनो मे खुशी की लहर है।

बाल विकास समिति की सदस्य सरिता भदौरिया ने किया जनपद भ्रमण

अखंड भारत संदेश

भदोही। शनिवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा की महिला एवं बाल विकास सम्बन्धी संयुक्त समिति की सदस्या श्रीमती सरिता भदौरिया ने आज जनपद भदोही का दौरा किया। इस क्रम में उन्होने मुख्य विकास अधिकारी भानू प्रताप सिंह के साथ जिला कारागार ज्ञानपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने महिला बैरक को देखा। वहॉ उपस्थित महिलाओं से उनका हाल चाल लिया एवं उनसे पूछा की उन्हे समय से भोजन, दवा, कपड़े इत्यादि मिलते हैं कि नहीं। उन्होने मुख्य चिकित्साधिकारी से महिला कैदिया की वैक्सीनेशन की जानकारी ली। जेल में आने वाले मुलाकातियों को बिना थर्मल स्कैनिंग कराये बिना अन्दर न भेजे, जेल कर्मी मास्क सेनीटाईजर का नियमित प्रयोग करे, बन्दीयों के लिए बनने वाले भोजन साफ-सुथरा एवं मानक के

अनुरूप होना चाहिए, बन्दीयों के रख-रखाव में कोई दिक्कत समझ में आये, तो उच्च स्तरीय अधिकारियों को अवगत कराये।

उन्होने गेस्ट हाउस में जिलाधिकारी महोदया आर्यका अखौरी से अनेक मुद्दो पर विचार विमर्श किया, इसके पश्चात् विभिनन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होने महिलाओं एवं समाज कल्याण विभाग से सम्बन्धित विभिनन योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

उत्तर प्रदेश विधानसभा की महिला एवं बाल विकास सम्बन्धी संयुक्त समिति की सदस्या श्रीमती सरिता भदौरिया ने महाराजा चेतसिंह जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान सबसे पहले उन्होने प्रसूति कक्ष में जाकर महिलाओं के हाल के बारे में जानकारी ली। उन्होने महिला वार्ड का निरीक्षण किया एवं एक भी मरीज न होने पर अधीक्षक से पूछताछ की। इसी क्रम में उन्होने अनेक महिला पेंसेन्टो से बात की और उनसे पूछा कि यहा दवा फ्री में मिलती है कि नहीं, डाक्टर यहा पैसा तो नही लेते है महिला ने जबाब दिया की नही। एमरजेन्सी वार्ड से बाहर निकलते समय एक प्रार्थी आर्दश तिवारी ने बल्ड टेस्ट न करने की शिकायत करने पर उत्तर प्रदेश विधानसभा की महिला एवं बाल विकास सम्बन्धी संयुक्त समिति की सदस्या श्रीमती सरिता भदौरिया को सुनाया तो डाक्टरों निर्देश दिया कि जल्द से जल्द आदर्श तिवारी का बल्ड टेस्ट का रिपोर्ट अवगत कराये। उन्होने चिकित्सालय कक्ष में मुख्य अधीक्षक के साथ एवं सम्बन्धित डाक्टरों के साथ बैठक कर उनके प्रतिदिन कायी के बारे में जानकारी ली। सदस्या श्रीमती सरिता भदौरिया ने मरीजों के रजिस्टरों को देखकर नाराजगी जाहिर कि और अधीक्षक को कड़ी फटकार लगायी और कहा कि आप सही ढ़ंग से डाक्टरो पर नियंत्रण करें अन्यथा आने वाले समय में आप के खिलाफ कार्यवाही न करना पड़ जाए। महिलाओं की शासन द्वारा प्रदत्त सुविधाओं का अवलोकन एवं गर्भवती महिलाओं तथा अन्य गंभीर रोगो से पीड़ित महिला को उपलब्ध कराये जा रहे उपचार व्यवस्था का अनुश्रवण करने तथा कोविड-19 से बचाव हेतु टीकाकरण महिला की वस्तुस्थिति की जानकारी भी ली।तत्पश्चात् सदस्या श्रीमती सरिता भदौरिया ने पूर्व माध्यमिक विद्यालय कंसापुर ज्ञानपुर में महिलाओं से सम्बन्धित गोद भराई एवं अन्य प्राशन कार्यक्रम भाग लिया। जिसमें उन्होने महिलाओं को गोद भराई के फल देकर उनके मनोवल को ऊचा किया और कहा कि आप लोग हरी सब्जी, फल, दूध खाये और स्वस्थ बच्चे को जन्म दे। स्वस्थ बच्चे ही स्वस्थ भारत का निर्माण करेगें।

अस्पताल संचालक पर लगाया दुर्व्यवहार का आरोप

आए दिन अपने ही स्टाफ के साथ मरीजों से भी होती रहती है दुर्व्यवहार

अखंड भारत संदेश

वाराणसी। माँ चंद्रिका नगर कालोनी शिवपुर स्थित एस एल मल्टी हॉस्पिटल अपनी करनी के चलते हमेशा सुखिर्यों में बना रहता है।

एक तरफ जहां कोरोना सकंटकाल में डॉक्टर और स्टाफ नर्स के योगदान की सरहना है, वहीं दूसरी ओर अस्पताल के मरीजो, उनके परिजनों सहित अस्पताल के रिसेप्शनिस्ट और स्टाफ के साथ बदसलूकी की घटनाएं आए दिन होती रहती हैं। प्रताप परिसर में कहीं भी न तो सीसी कैमरे लग रहे हैं, न मानक के हिसाब से वहां की व्यवस्था है। इसी तरह की एक बदसलूकी अस्पताल के रिसेप्शनिस्ट के साथ की गई। जिससे उसके मान-सम्मान को ठेस पहुंचाने का मामला सामने आया है। दरअसल, मामला संज्ञान में आया है कि वाराणसी के एस एल मल्टी हॉस्पिटल में तैनात रिसेप्शनिस्ट के साथ बदसलूकी और दुर्व्यवहार करने का आरोप लगा है। जबकि यह कोई नई बात नहीं बल्कि आम बात हो गई है। मामले को लेकर जिसकी शिकायत संबंधित विभाग से की जाएगी।

बाइक कार की टक्कर में बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल उपचार के बाद वाराणसी रेफर

गोपीगंज। कोतवाली क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग लाला नगर के पास शुक्रवार की देर शाम कार व बाइक की टक्कर में बाइक सवार अब्बास 45 वर्ष पुत्र स्वर्गीय बेचन इमामगंज हण्डिया प्रयागराज, फैज मोहम्मद 50 वर्ष भारतगंज मांडा प्रयागराज निवासी घायल हो गए।प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि बाइक सवार रिश्तेदारी में वाराणसी जा रहे थे कि लाला नगर टोल प्लाजा के पास एकाएक आगे जा रही कार ने यूटर्न ले लिया जिससे बाइक सवार कार में जाकर भिड़ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए घायल अवस्था में आसपास के लोगों ने पहुंचकर के बाइक सवार घायल को गोपीगंज स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग के एंबुलेंस से गोपीगंज स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए भर्ती कराया गया ।

नव निर्वाचित ग्राम प्रधान क्षेत्र पंचायत सदस्यों के साथ उर्दू अनुवादक को सेवानिवृत्त होने पर किया गया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

भदोही। जनपद के सुरियांवा ब्लॉक सभागार में शनिवार को ग्राम प्रधानों एवं क्षेत्र पंचायत सदस्यों को मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध कुमार त्रिपाठी एवं ब्लाक प्रमुख अनिता गौतम ने अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया। इसी के साथ ब्लॉक कर्मी उर्दू अनुवादक गनी बाबू के सेवानिवृत्त होने पर विदाई दी गई।मुख्य अतिथि श्री त्रिपाठी ने संबोधित करते हुए कहा कि ग्राम प्रधान एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य निष्ठा पूर्वक कार्य करें बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य करें। ग्राम प्रधान पूरे गांव के होते हैं उन्हें यह नहीं सोचना

चाहिए कि मुझे कौन वोट दिया था कि नहीं दिया था सभी नागरिकों का भलाई करनी चाहिए। गरीबों के लिए प्रधानमंत्री आवास एवं मुख्यमंत्री आवास , शौचालय हैंडपंप आदि कार्यों को निष्ठा पूर्वक करने का प्रयास करें। शासन द्वारा चलाई गई योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करें। इस दौरान एडीओ पंचायत राजनाथ, प्रमोद पांडे, अभय राज सिंह, मनोज मौर्य, हर्षवर्धन, दरोगा दुबे, सौरभ मिश्रा, पप्पुदुबे सहित, ग्राम प्रधान क्षेत्र पंचायत सदस्य तथा ब्लॉक कर्मी उपस्थित रहे।

अधिकारियों की मौजूदगी में बच्चों को बांटा गया किताब

भदोही । चौरी के रोटहा स्थित ब्लाक संसाधन केंद्र भदोही में एबीएसए की मौजूदगी में बच्चो को किताब वितरण किया गया । शनिवार को चौरी खास व रोटहा के परिषदीय विद्यालय में पढ़ने वाले 50 बच्चों को किताबे दी गई । इसकी शुरुवात खण्ड शिक्षा अधिकारी लालजी ने करते हुवे कहा कि शिक्षा एक ऐसा अनमोल रतन है जिसकी कोई कीमत नही है । इस मौके पर संकुल प्रभारी अजय कुमार सिंह , सन्तोष तिवारी , खुशबू मौर्या , दिलीप पटेल , महबूब आलम सीमा बानो , आदि थे।

झील में तब्दील मोंढ़ बाजार का मुख्य मार्ग

अखंड भारत संदेश

भदोही । जनपद के मोढ़ रेलवे स्टेशन और बाजार जाने वाला मुख्य मार्ग जलमगन हो गया है। बरसात के समय में स्थिति बिगड़ने से बारिश में यहां के व्यापारी परेशान हो जाते हैं।

हल्की बारिश में भी सड़क झील में तब्दील हो जाती है। यह सड़क दो-तीन दिन लगातार बारिश हुई तो घरों के अंदर घुस जाता है। पानी एक दशक पहले अर्चना सरोज जिला पंचायत अध्यक्ष हुई थी, तो यह सड़क बना था। तब से लेकर आज तक यह सड़क रिपेयर भी नहीं हुआ। जहां एक तरफ प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गड्ढा मुक्त उत्तर प्रदेश का दावा कर रहे हैं, वही सालों से गड्ढा युक्त इस सड़क में किसी प्रशासनिक अधिकारी का ध्यान नहीं पड़ा।

पीडब्लूडी के अधिकारियों से कई बार शिकायत करने पर उन्होंने कहा यह सड़क आर इ एस से बना है। यह हमारा मामला नहीं है। इस सड़क से होते हुए यूनियन बैंक, काशी ग्रामीण बैंक, टेलीफोन एक्सचेंज, पशु अस्पताल, डाकघर सहित दर्जनों कपड़ों व सौंदर्य प्रसाधन, खाद्य पदार्थ सहित अन्य दुकानों पर खरीददारी के लिए पानी में से होकर जाना पड़ता है। वही छोटे बच्चों के लिए यह जानलेवा साबित हो सकता है। आए दिन लोग दोपहिया वाहन लेकर साइकिल लेकर गिरते पड़ते नजर आते हैं। बाजार वासियों ने जिलाधिकारी से समस्या से निजात पाने की मांग की है।

बाल कल्याण समिति की बैठक में बाल यौन शोषण व अपराध की दी गई जानकारी

अखंड भारत संदेश

भदोही । जनपद के अपर पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में बाल कल्याण समिति के तत्वावधान में सभी थाना के थाना अध्यक्षों तथा सखी वन स्टॉप सेंटर की मैनेजर शिल्पा शुक्ला ने बैठक में भाग लिया। जिसमें बाल यौन शोषण महिला से संबंधित अपराध इत्यादि मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया।बैठक में वक्ताओं ने कहा कि कुछ समय पहले महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने बच्चों के शोषण एवं ऑनलाइन यौन दुर्व्यवहार के विरुद्ध राष्ट्रीय स्तर पर एक गठबंधन बनाने की घोषणा

की।मंत्रालय का उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर पर एक ऐसी व्यापक प्रणाली का विकास करना है, जिसमें बच्चों के माता-पिता, स्कूलों, समुदायों, गैर-सरकारी संगठनों, स्थानीय सरकारों के साथ-साथ पुलिस व वकीलों को भी शामिल किया जाना है।ऐसी व्यापक प्रणाली की आवश्यकता इसलिये है ताकि बच्चों की सुरक्षा एवं अधिकार के संबंध में निर्मित सभी वैधानिक नियामकों, नीतियों, राष्ट्रीय रणनीतियों एवं मानकों के सटीक क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना संभव हो सके।बच्चों के साथ शारीरिक, मानसिक, यौनिक अथवा भावनात्मक स्तर पर किया जाने वाला दुर्व्यवहार बाल दुर्व्यवहार कहलाता है। हालाँकि हम बाल दुर्व्यवहार में सामान्यतः यौनिक एवं शारीरिक शोषण को ही शोषण समझाते हैं, जबकि मानसिक तथा भावनात्मक स्तर पर होने वाला शोषण भी बच्चों के मानस पर दीर्घकालिक प्रभाव डालता है।कहा कि बाल यौन शोषण का दायरा केवल बलात्कार या गंभीर यौन आघात तक ही सिमटा नहीं है बल्कि बच्चों को इरादतन यौनिक कृत्य दिखाना, अनुचित कामुक बातें करना, गलत तरीके से छूना, जबरन यौन कृत्य के लिये मजबूर करना, भोलेपन का फायदा उठाने के लिये चॉकलेट, पैसे आदि का प्रलोभन देना चाइल्ड पोर्नोग्राफी बनाना आदि बाल यौन शोषण के अंतर्गत आते हैं।अक्सर ऐसे मामले आते हैं जिसमें इस मामले में शामिल व्यक्ति हमारे आस-पास के रिश्तेदार, मित्र, पड़ोसी होते हैं, जिनकी हरकतों से उनके कृत्य का पता लगाना कठिन होता है।कई बार बाल दुर्व्यवहार मजाक करते-करते कर लिया जाता है, तो कई बार अनुशासन व सुधार के नाम पर दुर्व्यवहार होता है।

खंड विकास कार्यालय गेट के सामने जल जमाव होने से परेशानी

अखंड भारत संदेश

भदोही। जिले के सुरियावां नगर पंचायत के अंतर्गत हर गली मोहल्ले में जलजमाव बना हुआ है। परंतु उसी नगर के अंतर्गत सुरियांवा खंड विकास कार्यालय के गेट के सामने जल जमाव होने से फरियादियों यहां तक कि ब्लॉक के जिम्मेदार अधिकारी का आवागमन होता है किंतु किसी का ध्यान नहीं जा रहा है।

खंड विकास कार्यालय में इन दिनों मुख्य विकास अधिकारी जया केश त्रिपाठी जो काफी दिनों से खंड विकास अधिकारी का भी चार्ज लिए हुए हैं। प्रतिदिन आवागमन होता है किंतु उनका ध्यान नहीं जा रहा है। खंड विकास कार्यालय में क्षेत्र के काफी संख्या में लोगों का समस्याओं को लेकर आना जाना पड़ता है

गेट के सामने पानी का जल जमाव होने से काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

उक्त सड़क नगर के रामबाग नेता नगर के मार्ग पर स्थित है। नाली की निकासी ना होने पर वर्षा के समय हर समय पानी एकत्रित होता रहता है। पहले गेट नीचा था तो पानी का बहाव हो जाता था परंतु गेट की ऊंचाई ऊपर हो जाने के चलते पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। इस कार्यालय में जिलाधिकारी से लेकर तमाम उच्चाधिकारी का आवागमन होता है परंतु किसी अधिकारी का ध्यान जलजमाव पर नहीं होता है। क्षेत्रीय नागरिकों ने उच्चाधिकारियों से शीघ्र पानी की निकासी की व्यवस्था कराए जाने की मांग की है।

ककराही क्रासिंग रेलवे ट्रेक पर ट्रेन से कटकर वृद्ध महिला की मौत

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। ककराही रेलवे क्रासिंग से पश्चिम साईड रेलवे ट्रेक पर ट्रेन से कटकर एक वृद्ध महिला की मौत होने की जानकारी मिली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया जाता है की आशिया पतने स्वर्गीय गफ्फार 75 वर्ष ग्राम भगवतपुर थाना गोपीगंज, घर से सांयकाल 4 बजे के लगभग निकली थी। काफी देर जब वापस घर नहीं आई तो घर वाले खोजने को निकले , परंतु नही मिलने पर वापस हो गए , इसी बीच रात को पुलिस को सूचना मिली किसी कोई ट्रेन से कट गया है। पुलिस रेलवे ट्रेक पर ककराही फाटक से लेकर केडवारिया फाटक तक रेलवे ट्रेक पर खोजा रात के समय नही मिली। सुबह दुबारा चौकी इंचार्ज खोजने निकले तो ककराही रेल फाटक के पश्चिम साईड में झाड़ी के अंदर शव मिला। जिसको पुलिस ने कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम को भेज दिया। बताते चले मृतका के पुत्र सिराज ने बताया की आंखों से कम दिखाई पड़ता था। मृतका के दो पुत्र है।

ग्लोबल इंटरनेशनल स्कूल रस्तीपुर में प्रवेश प्रारंभ

जंघई। प्रतापपुर क्षेत्र के रस्तीपुर गाँव में स्थित ग्लोबल इंटरनेशनल स्कूल में सीबीएसई पैटर्न से कक्षा एलकेजी से कक्षा 8 तक प्रवेश प्रारंभ है।प्रबंधक सतीश पांडेय ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में उच्च कोटि की शिक्षा देने हेतु अंग्रेजी माध्यम से यह विद्यालय खोला गया है ताकि गाँव के बच्चे योग्य शिक्षकों द्वारा व्यवस्थित संसाधन के बीच शिक्षा ग्रहण कर सकें।

पति ने गर्भपात ना कराने पर पतने को पीटा आरोपी पुलिस के हिरासत में

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। पति ने अपनी गर्भवती पतने को गर्भपात नही कराने पर जमकर मारपीट कर घायल कर दिया। शिकायत पत्र पर पुलिस ने महिला के पति को गिरफ्तार कर लिया। करछना क्षेत्र के एक गांव की युवती की शादी इसी वर्ष घूरपुर क्षेत्र के एक गांव के युवक के साथ हुई थी। विवाहिता तीन माह पूर्व गर्भवती हो गई। पति ने अपनी गर्भवती पतने को गर्भपात कराने का रोज़ाना दबाव बनाने लगा। नही मानने पर पतने को रोज़ाना प्रताडित करने लगा। शनिवार की सुबह पति जिद पर आकर आज ही गर्भपात कराए जाने की बात करने लगा पतने ने विरोध किया तो युवक ने गर्भवती पतने को जमकर से पिटाई कर घायल कर दिया। सूचना पर विवाहिता के पिता बेटी के घर पहुंच बेटी को साथ लेकर थाने पहुंच में पति के खिला.फ शिक़ायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया है।

बम्हरौली से मंझनपुर तक बिछेगी गैस पाइप लाइन

20 करोड़ रुपये की परियोजना पर काम शुरू, बेगम बाजार, सूबेदारगंज, बम्हरौली, तिवारी तालाब और पूरामुफ्ती समेत कई इलाके होंगे लाभान्वित

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। सस्ती, सुरक्षित और प्रदूषण मुक्त गैस के लिए अब बम्हरौली से मंझनपुर तक स्टील गैस पाइप लाइन बिछाई जाएगी। 42 किमी लंबी लंबी पाइप लाइन बिछाने की शुरुआत इंडियन ऑयल-अडानी गैस ग्रुप की ओर से बम्हरौली से की गई। इसी के साथ अंडरग्राउंड पीएनजी पाइप लाइन बिछाने का काम शुरू हो गया। प्रयागराज से लेकर कौशाम्बी तक के एक लाख से अधिक की आबादी इस परियोजना से लाभान्वित होगी। जल्द ही शहर के अन्य इलाके भी पीएनजी से जुड़ जाएंगे।

इंडियन ऑयल अडानी गैस की ओर से 25 करोड़ रुपये की लागत से नई पीएनजी पाइप लाइन बिछाने का काम शुरू कर दिया गया है। यह पाइप लाइन बम्हरौली, बेगम बाजार, भगवतपुर,सूबेदारगंज,सल्लाहपुर, तिवारी तालाब से होकर

गुजरेगी। इसके आगे पूरामुफ्ती, मूरतगंज, भरवारी से मंझनपुर तक इसे ले जाया जाएगा। इस परियोजना को लेकर अफसर उत्साहित हैं।

इससे बम्हरौली से मंझनपुर के बीच की एक लाख से अधिक की आबादी के बीच से पाइप्ड नैचुरल गैस(पीएनजी) जाएगी। पीएनजी से चूल्हे जलाने के लिए फिलहाल इन इलाकों में अभी 15 हजार घरों में कनेक्शन दिए जाएंगे। इसे सबसे सत्ता, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल ईंधन माना जा रहा है। यह गैस हवा से भी हल्की होने की वजह से लीकेज होने पर भी किसी तरह का खतरा पैदा नहीं करेगी। पीएनजी कनेक्शन लेने वाले मांग के अनुरूप आपूर्ति प्राप्त कर सकेंगे। मीटर भी लगा होगा और गैस चोरी की आशंका नहीं होगी।इससे आग लगने की भी आशंका न के बराबर है। अफसरों के मुताबिक पीएनजी सीधे लोगों के किचन तक आसानी से पहुंचेगी। इसे स्मार्ट सिटी की दिशा में उठाया गया अहम कदम बताया जा रहा है। कहा जा रहा है कि इससे अब घटतौली और सिलेंडर फटने जैसे खतरों से भी पूरी तरह मुक्ति मिल जाएगी। इससे पहले सिविल लाइंस के एल्गिन रोड, स्टेची रोड, ड्राइव रोड के प्रमुख अपार्टमेंट के अलावा मम्फोर्डगंज में पीएनजी कनेक्शन आवंटित किया जा चुका है। फिलहाल शहर में कुल एक हजार किमी पाइप लाइन बिछाने का लक्ष्य रखा गया है त्पीएनजी सबसे सस्ती और सुरक्षित गैस सुविधा है। अगर पीएनजी से जुड़े चूल्हे का स्विच कभी जल्दबाजी में खुला भी रह जाता है तो, गैस हवा में ऊपर उड़ जाएगी और किसी तरह के हादसे की आशंका नहीं रहेगी। एलपीजी की तुलना में पीएनजी आधी से भी अधिक सस्ती मिलेगी। - दानिश रिजवी, डीजीएम, इंडियन ऑयल अडानी गैस प्रालि।

सम्पादकीय

स्टूडेंट्स की जगी रूचि

हालांकि 168 देशों के स्टूडेंट्स यहां पढ़ने आते हैं, लेकिन सबसे ज्यादा हिस्सा (करीब 45 फीसदी) अब भी पड़ोसी देशों- नेपाल, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और भूटान- से आने वाले स्टूडेंट्स का ही है। विदेशी स्टूडेंट्स को भारत आकर पढ़ाई करने को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू की गई योजना एसआईआई (स्टडी इन इंडिया) में इस साल बढ़ी हुई भागीदारी उत्साहवर्धक है। चार साल पहले यानी 2018-19 में शुरू की गई इस योजना में विदेशी स्टूडेंट्स को भारत में रहकर शिक्षा प्राप्त करने के लिए स्कॉलरशिप देने का प्रावधान है। आंकड़े बताते हैं कि जहां पिछले साल इसके लिए 20659 आवेदन आए थे, वहीं इस साल 50,739 आवेदन आए। यानी करीब 146 फीसदी की बढ़ोतरी। यही नहीं आवेदन करने के बाद ऑनलाइन टेस्ट में शामिल होने वाले स्टूडेंट्स में भी इस बार पिछले साल के मुताबिक 23.8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। योजना का नाम इस बार बदलकर प्रगति (परफॉर्मेंस रैंटिंग ऑफ ऐप्लिकेंट्स थ्रू ग्लोबल ऐप्टिट्यूड टेस्ट फॉर इंडियन इंस्टिट्यूट्स) जरूर किया गया है, लेकिन इसकी इस कामयाबी का श्रेय नए नामकरण को नहीं दिया जा सकता। इसके पीछे उन खास बदलावों की भूमिका है, जो विदेशी स्टूडेंट्स की जरूरत और उनकी मानसिकता को समझते हुए इस योजना में किए गए हैं। पहले इस योजना में उन्हीं संस्थानों को शामिल किया गया था, जिन्हें एनएएसी (नैशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन काउंसिल) से 3.26 ग्रेड और एनआईआरएफ की 100 रैंकिंग हासिल हो। यह ऐकेडेमिक रैंकिंग है, लेकिन विदेशों से आने वाले स्टूडेंट्स की इकलौती चिंता रैंकिंग की नहीं होती। उन्हें हॉस्टल, ट्रांसपोर्ट, सुरक्षा आदि की सहूलियतें भी देखनी होती हैं।

इसलिए इस बार इस योजना में रैंकिंग के साथ-साथ स्टूडेंट्स की पसंद को भी शामिल किया गया और नतीजा सामने है। यह बताता है कि किसी भी योजना की कामयाबी के लिए उन लोगों की स्थिति, सोच और जरूरत को ध्यान में रखा जाना सबसे जरूरी होता है, जिनके लिए वह योजना लाई गई होती है। बहरहाल, इस खास योजना की कामयाबी और उसमें निहित संदेश की अहमियत स्वीकार करते हुए भी यह मानना पड़ेगा कि भारत को विदेशी स्टूडेंट्स के लिए हायर एजुकेशन हब बनाने का हमारा लक्ष्य अभी बहुत दूर है। भारत आकर पढ़ाई करने वाले कुल विदेशी स्टूडेंट्स की संख्या उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक 2019-20 में 49,348 थी, जो 2018-19 के 47,427 से कुछ ही ज्यादा थी। इस साल उसमें कितनी बढ़ोतरी होती है यह देखना पड़ेगा, लेकिन जो भी बढ़ोतरी हो इसे दो लाख स्टूडेंट तक पहुंचाने का लक्ष्य अभी काफी दूर है। हालांकि 168 देशों के स्टूडेंट्स यहां पढ़ने आते हैं, लेकिन सबसे ज्यादा हिस्सा (करीब 45 फीसदी) अब भी पड़ोसी देशों- नेपाल, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और भूटान- से आने वाले स्टूडेंट्स का ही है। जाहिर है भारत को विदेशी स्टूडेंट्स का पसंदीदा डेस्टिनेशन बनाने के लिए के लिए स्कॉलरशिप स्कीम ही काफी नहीं है। सेशन और सिलेबस से लेकर फैकल्टी और इन्फ्रास्ट्रक्चर तक कई स्तरों पर काम करना पड़ेगा। अच्छी बात यह है कि नैशनल एजुकेशन पॉलिसी के जरिए इस दिशा में कुछ अहम सुधार प्रस्तावित किए गए हैं लेकिन उन पर अमल कैसा और कितना हो पाता है यह देखने के लिए इंतजार करना होगा।

इतिहास हमारे कामों का मूल्यांकन करेगा कि हमने आपदा में कैसा बर्ताव किया

प्रियंका चतुर्वेदी

पिछले साल 9 मार्च को जब महाराष्ट्र की नई सरकार कामकाज में व्यवस्थित हो ही रही थी कि तभी कोविड की खतरनाक दस्तक सुनाई देनी लगी। महामारी का वायरस सिर्फ अपने देश ही नहीं पूरे विश्व के लिए नया था। तब हमारे आसपास कई तरह के तर्क दिए जा रहे थे कि भारत के लोगों के पास बेहतर इम्युनिटी है,यहां ऐसा गर्म वातावरण है कि यह मारक वायरस अमेरिका, यूरोपीय देशों की तरह नहीं पसरेगा। भारत इसके प्रकोप से बचकर रहेगा। इन्हीं दिलासों के बीच सुस्ती होती जा रही थी। लेकिन महाराष्ट्र की सरकार सकारात्मक उम्मीदों के साथ किसी तरह की सुस्ती में जाने के बजाय सबसे बुरे दौर से लड़ने के लिए जुट गयी। याद होगा कि सबसे पहले मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे जो निणन्य लिया था वह था 11 डॉक्टरों के मेडिकल टास्क फोर्स का गठन करना। मेडिकल एक्सपर्ट की टीम वाली टास्क फोर्स को कोविड से लड़ने के लिए नीति और उसे संचालन करने का काम दिया। उन्होंने ही सबसे पहले- टेस्टिंग, ट्रैकिंग और ट्रीटिंग का फार्मुला दिया जो तभी से लेकर आजतक कोविड के खिलफ जंग में सबसे प्रमुख हथियार है। तब जहां राज्य में विपक्ष के रूप में बीजेपी राजनीति करने में जुटी थी तो केंद्र सरकार विपक्षी राज्यों को अस्थिर करने में जुटी थी,लेकिन महाराष्ट्र ने कोविड से जंग में पहली पहल ली और कई रास्ते दिखाए। तमाम अवरोधों को दूर करने के लिए कदम उठाए। देश में महामारी के पुराने मिसाल बताते थे कि जहां आबादी का घनत्व सबसे अधिक रहा वहां महामारी का प्रकोप सबसे अधिक रहा है। मुंबई में न सिर्फ सबसे व्यस्त अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है बल्कि सबसे बड़ा स्लुम इलाका भी है। विश्व की सबसे घनी आबादी वाला शहर भी है। खतरे को भांपते हुए उसी अनुरूप कदम उठाए गए।और जब महाराष्ट्र के कोविड मैनेजमेंट की बात हुई तो यह महज प्रोपेगेंडा नहीं रहा। पुख्ता प्रमाणिक चीजें इस मैनेजमेंट की गवाह बनी। मुंबई हाई कोर्ट से लेकर सुप्रीम कार्ट तक ने कई मौकों पर इसकी सराहना की। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने धारावी जैसे बड़े स्लुम इलाकों को कोविड से बचाने के लिए की गयी कोशिशों को सराहा। इस दौरान सिर्फ महामारी नहीं बल्कि मानवीव पहलुओं को भी ध्यान में रखा गया और लॉक डाउन जैसे बंदिशों के बीच हर गरीब तक सरकार ने मदद पहुंचाने की सफल कोशिश की। इन सबके बीच सरकार ने डाटा में पारदर्शिता और हालात को बिना छिपाए सामने रखा। चाहे कोविड पोजिटिव केस की तादाद हो या मरने वालों की संख्या राज्य ने एक-एक बात सामने रखी बिना कोई परदा दिये। शुरू में जरूर बढ़ी संख्या को लेकर आलोचना हुई लेकिन बाद में सभी ने माना कि कोविड से जंग में आंकड़े को जितना छिपाने की कोशिश होगी,यह उतना ही पलटवार करेगा। उसकी मिसाल हमने कई दूसरे राज्यों में देखी। डाटा को छिपाने से हमें पूरे विश्व के सामने शर्मशार होना पड़ा और हमारे आंकड़ों को संदेह की दृष्टि से देखा जाता है। अब जब दूसरी लहर के कमजोर होने के संकेत मिल रहे हैं तो इसी दौरान तीसरे लहर के अनजाने आशंका के बीच हमें वक्त मिला है जब हम खुद को आगे किसी भी हालात से मुकाबले के लिए तैयार कर सकें। आगे हमें दोहरी लड़ाई लड़नी है। कोविड की दूसरी लहर में मिली सीख के आधार इस बार हर चीजों की जरूरत का पहले से इंतजाम उसी हिसाब से कर रखना है। ऑक्सीजन की आपूर्ति हो या आईसीयू बेड्स की तादाद। मेडिकल कर्मियों की तैनाती हो या अस्पतालों की संसाधनों की जरूरत। दवाओं की उपलब्धता की बात हो या बच्चों में संक्रमण पसरा तो उससे निबटने के उपाय। इन तमाम मोर्चीं पर हमारा मंथन जारी है। हम इनकी तैयारियों के लिए तीसरी लहर के दस्तक देने तक इंतजार नहीं कर सकते हैं। वहीं दूसरी ओर हमें टीकाकरण की गति को भी बढ़ाते हुए उसे अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का टास्क है। इस बात को हमें ध्यान में रखना है कि सबसे अधिक तैयारी उन इलाकों के लोगों को महामारी से बचाने के लिए करनी होगी जहां सुविधाएं कम हैं और जहां के लोग सरकार की सुविधाओं और मदद पर अधिक आश्रित हैं। हम महाराष्ट्र में शुरू से सभी के लिए अधिक से अधिक टीकाकरण की मांग कर रहे थे। अगर उत्पादन बढ़ाने से लेकर टीके की आपूर्ति तक के मोर्चे पर शुरू से तत्परता दिखाया होता तो अब तक बड़ी आबादी को हम टीका लगा चुके होते। लेकिन जैसा शुरू में कहा,अब जो हुआ उससे सीख लकर आगे बढ़ने का वक्त है। अगले कुछ महीने में हमें आक्रामक रूप से सभी जरूरतमंदों तक टीका पहुंचाना होगा ताकि संक्रमण से लड़ाई में एक बेहद प्रभावी कवच तैयार हो जाए। हम यह भी उम्मीद करते हैं कि बच्चों के लिए टीका का रास्ता जल्द खुल जाएगा।

महाराष्ट्र के सीएम ने टीका की कमी के बीच भी इसकी गति बिल्कुल कम नहीं होने दी और उसी का परिणाम है कि पूरे देश में 3 करोड़ टीका देने वाला राज्य भी बना। केंद्र टीका की आपूर्ति में जिस तरह बिना तैयारी अति आत्मविश्वास में चली गयी थी उसका बड़ा नुकसान सबको उठाना पड़ा। अब आगे टीकाकरण के मोर्चे पर ऐसी सूरत न बने और जल्द से जल्द सभी लोगो को टीक लग जाए, इसके लिए अब पूरी पारदर्शिता बनायी रखनी है। हम पहले ही इसमे कुछ महीने का नुकसान कर चुके हैं। सभी ने देखा कि महाराष्ट्र ने टीकाकरण में भी कई इनोवेशन किया। विदेश में जाने वाले स्टूडेंट या दूसरे जरूरतमंद लोगों को प्राथमिकता से टीका दिलाया तो झोपडि़यों तक कैंप लगाने के लिए खास इंतजाम किये। कोविड से हुई जंग ने हम सभी को एक बहुत बड़ी सीख दी है कि चीजों को विकेंद्रित कर रखनी है। ऊपर से नीचे तक आपूर्ति सिस्टम को मजबूत करते हुए सभी का इमपॉवर करना है। सभी को पॉवर देना है। मैन पॉवर बढ़ानी है। यह जंग कहीं एक कमांड कंट्रोल रखने से नहीं जीती जा सकती है। आज की तारीख में जब दूसरी लहर के कमजोर होने के संकेत मिल भी रहे हैं तब भी कोविड के खिलाफ जंग जीतने का एलान हम नहीं कर सकते हैं। हम इससे अभी भी कोसों दूर है और थोड़ी से लापरवाही की बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। तीसरी लहर की आशंका के बीच हम कोविड से तभी लोगों को बचा सकते हैं जब रजनीति को दरकिनार कर संयुक्त प्रयास से अभी से एक साथ जुट जाएं। बिना वक्त गवाएं। सच स्वीकार करें कि जब जीतेंगे तो हम सभी साथ जीतेंगे और हारेंगे तो सब हारेंगे। यह लोगों को बचाने की सामुहिक लड़ाई है जिसमें राजनीति का अवसर देखने से परहेज करना चाहिए। बीति ताहि बिसार दे के मंत्र से कम से कम तीसरी लहर से लोगों का बचाने के लिए अभी से जुट जाना है। हमें इस बात को भी जेहन में रखना होगा कि सदी की सबसे बड़ी आपदा के समय हमने कैसा बर्ताव किया वह इतिहास में दर्ज होगा और आने वाली पीढि़यां नए सिरे से सभी का मूल्यांकन करेगी। सवाल भी पूछेगी।

जासूसी कराये बिना कोई सरकार तो क्या परिवार भी नहीं चला सकता

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

ऐसा लगता है कि संसद का सत्र चलाने की परवाह न तो सरकार को है और न ही विपक्ष को ! दोनों अपनी-अपनी टेक पर अड़े हुए हैं। ये शायद अड़ते नहीं लेकिन पेगासस जासूसी का मामला अचानक ऐसा उभरा कि पक्ष और विपक्ष दोनों एक-दूसरे के खिलाफ तलवारें भांजने लगे। संसद का यह वर्षाकालीन सत्र अत्यधिक महत्वपूर्ण होना था लेकिन वह प्रतिदिन निरर्थकता की ओर बढ़ता चला जा रहा है। कोरोना महामारी, बेरोजगारी, अफगान-संकट, भारत-चीन विवाद, जातीय जनगणना आदि कई मुद्दों पर सार्थक संसदीय बहस की उम्मीद थी लेकिन पेगासस जासूसी कांड इस सत्र को ही लील गया है। पिछले लगभग दो सप्ताह से दोनों सदनों का काम-काज ठप्प है। दोनों सदन अनवरत शोर-शराबे के बाद रोज ही स्थगित हो जाते हैं। संसद चलाने का एक दिन का खर्च 44 करोड़ रु. होता है। लगभग 500 करोड़ रु. पर तो पानी फिर चुका है। ये पैसा उन लोगों से वसूला जाता है जो दिन-रात अपना खून-पसीना एक करके कमाते हैं और सरकार का टैक्स भरते हैं।ऐसा लगता है कि संसद का सत्र चलाने की परवाह न तो सरकार को है और न ही विपक्ष को ! दोनों अपनी-अपनी टेक पर अड़े हुए हैं। ये शायद अड़ते नहीं लेकिन पेगासस जासूसी का मामला अचानक ऐसा उभरा कि पक्ष और विपक्ष दोनों एक-दूसरे के खिलाफ तलवारें भांजने लगे। क्या विपक्ष के लोगों को पता नहीं कि जासूसी किए बिना कोई सरकार क्या, कोई परिवार भी नहीं चल सकता? वे खुद जब सत्ता में थे तो क्या वे जासूसी नहीं करते थे ? क्या कांग्रेसी शासन में उसके वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी ने अपने दफ्तर में ही जासूसी यंत्र लगे होने की शिकायत नहीं की थी? देश के प्रांतों में चल रही विरोधी दलों की सरकारें क्या जासूसी नहीं करतीं ? लेकिन जासूसी के मुद्दे पर संसद में बहस की मांग बिल्कुल जायज है और सरकार को यह बताना होगा कि फलां-फलां आदमी की जासूसी वह क्यों करती थी ? यदि उसने जानबूझकर या गलती से देश के कुछ निरापद और महत्वपूर्ण लोगों की जासूसी की है या उसके अफसरों ने उस सूची में कुछ मनमाने नाम जोड़ लिये हैं तो वह सार्वजनिक तौर पर क्षमा क्यों नहीं मांग लेती है ? जासूसी के मामले को वह जितना छिपाएगी, उसकी चादर उतनी ही उघड़ती चली जाएगी लेकिन विरोधी दलों को भी सोचना चाहिए कि यदि वे संसद को चलने ही नहीं देंगे तो जासूसी का यह मामला आया-गया-सा ही हो जाएगा। वे संसद का सत्र बाकायदा चलने क्यों नहीं देते ? वे प्रशन्न पूछ सकते हैं, स्थगन-प्रस्ताव और ध्यानाकर्षण प्रस्ताव ला सकते हैं। वे बीच में हस्तक्षेप भी कर सकते हैं। विरोधी दल इस मुद्दे पर एकजुट होने की कोशिश कर रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने सांसदों से कह रहे हैं कि वे विरोधियों की पोल खोलें। इसका अर्थ क्या यह नहीं हुआ कि हमारे देश के सभी राजनीतिक दल सतही राजनीति में उलझ रहे हैं और संसद-जैसे लोकतंत्र के प्रकाश-स्तंभ की रोशनी को धुंधला करते चले जा रहे हैं ?

विपक्षी महारथियों ने टरकाया तब ममता बनर्जी को समझ आया, 'दिल्ली अभी दूर है'

नीरज कुमार दुबे

खैर ममता बनर्जी पर ही केंद्रित रहा जाये तो यह साफ दिख रहा है कि तीन बार बंगाल का मैदान जीतने वालीं तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने इस बार अपने लिये बड़ा लक्ष्य तय कर लिया है। इसके लिए उन्होंने रणनीति बनाकर मेहनत भी शुरू कर दी है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के पाँच दिवसीय दिल्ली दौरे से पहले ऐसा माहौल बना दिया गया था कि दिल्ली में बड़ा राजनीतिक भूचाल आने वाला है और विपक्ष का नेता कौन होगा, इस सवाल का जवाब मिलने वाला है।

ममता बनर्जी खुद भी बड़ी उम्मीदों और आशाओं के साथ दिल्ली आई लेकिन केंद्र की राजनीति के विपक्षी महारथियों ने उन्हें प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से साफ संकेत दे दिये कि अभी उनसे पहले कई लोग कतार में लगे हैं। लेकिन ममता बनर्जी भी योद्धा हैं वह दिल्ली की राजनीति कई वर्षों तक कर चुकी हैं इसीलिए जानती हैं कि यहाँ वापस से जगह बनाना इतना आसान नहीं है इसलिए दीदी ने तय किया है कि वह हर दो महीने में दिल्ली आयेंगी ताकि उनकी सक्रियता यहाँ बनी रहे। वैसे विपक्षी महारथियों ने भले ममता को नेतृत्व के मुद्दे पर टरका दिया हो लेकिन उन्हें एक बात जान लेनी चाहिए कि यदि वह ममता बनर्जी को अपना नेता मानने को तैयार नहीं हैं तो ममता बनर्जी भी उनमें से किसी को आसानी से अपना नेता मानने को तैयार नहीं होंगी। ममता बनर्जी ने सोनिया गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं के साथ मुलाकात के बाद भले कह दिया हो कि भाजपा के खिलाफ बनने वाले गठबंधन का नेतृत्व कौन करेगा यह मुद्दा ही नहीं है और वक्त आने पर नेता का नाम तय हो जायेगा लेकिन सच्चाई यह है कि असल मुद्दा नेतृत्व ही है और इस बात को लेकर विपक्षी दलों के बीच अच्छी-खासी खींचतान भी है।जरा टाइमिंग पर गौर कीजियेगा जिस समय मोदी सरकार को घेरने के लिए ममता बनर्जी विपक्ष के नेताओं से बातचीत के लिए दिल्ली आई ठीक उसी समय कांग्रेस बेहद सक्रिय हो गयी। राहुल गांधी और कांग्रेस के आला नेता लगातार विपक्ष के नेताओं के साथ बैठकें कर रहे हैं और मीडिया को भी संयुक्त रूप से संबोधित कर रहे हैं। इससे पहले कांग्रेस के नेता राष्ट्रीय राजनीति के परिदृश्य से एकदम गायब थे।

भले यह कहा जा सकता है कि अभी संसद का सत्र चल रहा है इसलिए कांग्रेस को सक्रिय होना ही था लेकिन जानकार सूत्रों का यही कहना है कि कांग्रेस की ओर से अप्रत्यक्ष रूप से ममता बनर्जी को संदेश दिया गया है कि बिना उसकी भागीदारी और बिना उसके नेतृत्व वाला विपक्षी गठबंधन बन ही नहीं सकता और बन भी गया तो चल नहीं सकता। भारत का राष्ट्रीय राजनीतिक इतिहास भी यही कहता है कि कांग्रेस ने अपने समर्थन से चलने वाली किसी भी सरकार को कार्यकाल पूरा नहीं करने दिया है। हाँ, कांग्रेस के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकारें जरूर अपना कार्यकाल पूरा कर पायी हैं। खैर ममता बनर्जी पर ही केंद्रित रहा जाये तो यह साफ दिख रहा है कि तीन बार बंगाल का मैदान जीतने वालीं तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने इस बार अपने लिये बड़ा लक्ष्य तय कर लिया है। इसके लिए उन्होंने रणनीति बनाकर मेहनत भी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के और किसी सुझाव को वह भले नहीं मानें लेकिन आत्मनिर्भर बनने का मोदी का रास्ता उन्हें जरूर भा गया है। इसीलिए तृणमूल कांग्रेस हिंदी पट्टी के राज्यों में अपना आधार बढ़ाने के लिए जल्द ही वहाँ चुनावी मैदान में उतरेगी। तृणमूल कांग्रेस का प्रयास रहेगा कि पश्चिम बंगाल के बाहर भी चुनाव जीता जाये जिससे समय आने पर अन्य दल उसके नेतृत्व में या उसके साथ खड़े हो सकें।

देखा जाये तो राजनीति में महत्वाकांक्षी होना गलत नहीं है और शीर्ष पद की आकांक्षा सबको रखनी ही चाहिए लेकिन अपने लिये बड़ी आकांक्षा रखने और लोगों की आकांक्षाएं पूरी करने में बड़ा फर्क होता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि देश में आज कई समस्याएं हैं और वर्तमान सरकार की ओर से कई बड़ी चुनौतियों पर विजय पाना अभी बाकी है। ऐसे में विपक्ष की ओर से यदि देश के सामने विकल्प पेश करने का प्रयास किया जा रहा है तो इसमें कुछ गलत नहीं है। लेकिन विपक्ष को समझना होगा कि सिर्फ मोदी विरोधी एजेंडे के जरिये ही भाजपा का मुकाबला नहीं किया जा सकता। भाजपा का मुकाबला करना है तो आपको जनता के सामने इस बात की रूपरेखा पेश करनी होगी कि वर्तमान चुनौतियों और समस्याओं से वह कैसे निबटेंगे। साथ ही विपक्षी दलों को समस्याओं का हल निकालने का अपना ट्रैक रिकॉर्ड भी जनता को बताना होगा क्योंकि इस देश ने देखा है कि कैसे किसानों की कर्ज माफी या अन्य लोक लुभावन वादों के सहारे सत्ता हासिल करने वाले दल बाद में अपने वादों पर चुप्पी साध जाते हैं। विपक्ष को यह बात भी समझनी होगी कि नेतृत्व के लिए उसके बीच जितना झगड़ा होगा वह उसके लिए उतना ही नकारात्मक सिद्ध होगा क्योंकि जनता कभी नहीं चाहेगी कि वह एक स्थिर सरकार को हटा कर ऐसी सरकार लाये जिसमें प्रधानमंत्री की कुर्सी के लिए नेता आपस में ही भिड़ते रहें। देश की जनता को आज पूर्ण बहुमत की सरकार द्वारा लिये जाने वाले कड़े और बड़े फैसलों के महत्व, उन फैसलों के परिणाम और उसमें आने वाले आनंद का पता लग चुका है इसलिए अब केंद्र में दोबारा से गठबंधन सरकार का बनना बेहद मुश्किल है। जनता यह भूली नहीं है कि साल 2011 में अपने एक संवाददाता सम्मेलन में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को भ्रष्टाचार संबंधी सवाल के जवाब में कहना पड़ा था कि गठबंधन सरकार की कुछ मजबूरी होती है। उन्होंने कहा था कि अगर हरेक बात पर कार्रवाई होने लगे तो हर छह महीने में चुनाव कराने पड़ेंगे।

तो ऐसी स्थिति को इस देश की जनता ने देखा है, भुगता है और उसे सबकुछ याद भी है। इसलिए सरकार चलाने के लिए सहयोगी दलों को जनता के पैसे की लूट करने की छूट देने का अवसर अब किसी दल को नहीं मिलने वाला। इसके अलावा तृणमूल कांग्रेस भले तकनीकी लिहाज से राष्ट्रीय दल के रूप में मान्यता रखती हो लेकिन उसका गठन क्षेत्रीय आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए हुआ था। इसमें कोई दो राय नहीं कि देश में तमाम ऐसे क्षेत्रीय दल हैं जो अपनी जनता के भले के लिए काम कर रहे हैं लेकिन राष्ट्रीय राजनीति एक अलग विषय है। इसलिए अगर ममता बनर्जी प्रधानमंत्री पद की आकांक्षा रखती हैं तो उन्हें यह भी बताना चाहिए कि आर्थिक, विदेश, रक्षा आदि गंभीर मुद्दों पर तृणमूल कांग्रेस की क्या सोच है और क्या नीति है। इसके अलावा तृणमूल कांग्रेस को यह भी बताना होगा कि यदि उसे केंद्र की सत्ता मिल गयी तो क्या जैसे तनावपूर्ण रिश्ते बंगाल की मुख्यमंत्री के वहाँ के राज्यपाल के साथ हैं वैसे ही रिश्ते देश में तब प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के हो जायेंगे? तृणमूल कांग्रेस को यह भी बताना होगा कि देशभर में 2024 में जो खेला होने की उसने बात कही है उसका असली मतलब क्या है? कहीं उसका मतलब यह तो नहीं कि तब तृणमूल कांग्रेस के पक्ष में मतदान नहीं करने वाले लोगों की उसी तरह पिटाई होगी जैसे बंगाल में हुई। उल्लेखनीय है कि एनएचआरसी ने कलकत्ता उच्च न्यायालय को पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हिंसा के मामलों की जाँच कर जो अपनी रिपोर्ट सौंपी है उसका मर्म यही है कि वहाँ सत्तारुढ़ दल की एक विरोधी पार्टी के पक्ष में मतदान करने वालों को पीटा गया, उनके साथ बदसलूकी की गयी और उनके सामान और आजीविका तक को नुकसान पहुँचाया गया। इसलिए यदि तृणमूल कांग्रेस देशभर में खेला होने की बात कह रही है तो यह लोगों के लिए एक चेतावनी समान ही है। बहरहाल, ममता बनर्जी ने दिल्ली में विभिनन्न विषयों पर अपनी राय रखी लेकिन यदि वह बंगाल में लोगों की हत्या, अत्याचार आदि विषयों पर भी कुछ बोल देतीं या उसकी निंदा ही कर देतीं तो एक अच्छा संदेश जा सकता था।

ममता बनर्जी ने ऐलान किया है कि लोकतंत्र बचाओ, देश बचाओ नारे के साथ वह अपनी लड़ाई को आगे बढ़ायेंगी। लेकिन असल में लोकतंत्र और मानवाधिकारों को सबसे पहले कहाँ बचाने की जरूरत है इस बारे में उन लोगों से पूछा जा सकता है जो बंगाल में चुनाव बाद हुई हिंसा में अपना सबकुछ खो चुके हैं और अन्य राज्यों में पनाह लिये हुए हैं। ममता बनर्जी को यह भी समझना होगा कि सिर्फ राज्य का नाम बदल कर उसकी स्थिति में बदलाव नहीं लाया जा सकता। राज्य तभी आगे बढ़ सकता है जब वहां कानून व्यवस्था सुदृढ़ हो, भ्रष्टाचार नहीं हो और औद्योगिक क्षेत्र के अनुकूल नीतियां हों। बंगाल आज जिस सामाजिक और आर्थिक स्थिति में है उसको देखते हुए वहाँ की मुख्यमंत्री की प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि राज्य के विकास पर पूरी तरह ध्यान दिया जाये लेकिन मुख्यमंत्री अपने लिये नया लक्ष्य तय कर उस दिशा में आगे बढ़ने में पूरा ध्यान लगा रही हैं। ममता बनर्जी देश का प्रधानमंत्री बनने का सपना जरूर देखें लेकिन उससे पहले उन्हें इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि यदि उन्होंने मुख्यमंत्री बनने के छह महीने के भीतर विधानसभा की सदस्यता हासिल करने की अनिवार्यता नहीं पूरी की तब वह कैसे पद पर बनी रह पाएंगी? क्या वह इस्तीफा देकर दोबारा शपथ लेंगी या फिर किसी को अस्थायी रूप से मुख्यमंत्री पद की कमान सौंप कर विधानसभा उपचुनाव तक इंतजार करेंगी?

हवाई सफर में पर्सनल क्यों हो गए ये लोग?

सौरव सिन्हा

कोरोना के समय में लोगों को पब्लिक ट्रांसपोर्ट के बजाय निजी वाहनों में सफर करना ज्यादा सेफ लग रहा है। और यह बात जमीन तक ही सीमित नहीं है, आसमान का भी कुछ ऐसा ही हाल है! वे संपनन्न लोग जो कोरोना से पहले कमर्शल एयरलाइंस के फर्स्ट या बिजनेस क्लास में सफर किया करते थे, अब प्लेन चार्टर यानी बुक करके जा रहे हैं। इसमें वे अपने परिवार, मित्रों या बिजनेस पार्टनर्स के साथ सफर कर रहे हैं। कई लोग ऐसा मजबूरी की वजह से कर रहे हैं क्योंकि कमर्शल ऑप्शन नहीं है, लेकिन एक बड़ा वर्ग सुरक्षा की वजह से चार्टर प्लेन की सेवा ले रहा है। पिछले साल दो महीने के लिए शेड्यूल्ड डोमेस्टिक फ्लाइटें बंद थीं। 25 मई, 2020 को जब फ्लाइटें खुलीं, तो भोपाल के एक परिवार ने निजी हवाई कंपनी का ए320 चार्टर किया, अपनी बेटी और पोतों को भोपाल से दिल्ली भेजने के लिए। वह परिवार कमर्शल फ्लाइट में इन्हें भेजकर कोविड-19 के इन्फेक्शन का जोखिम उठाने को तैयार नहीं था। मार्च, 2020 तक दुनिया के कई हिस्सों में कोरोना फैल चुका था। तब से हर दूसरे-तीसरे दिन हवाई सेवा के नियम-कानून बदल जाते हैं। किसी भी देश में केस बढ़ रहे होते हैं, तो वहां से आने वालों पर प्रतिबंध लगा दिया जाता है। पिछले मार्च में जब भारत ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानें बंद कर दीं, उस वक्त कई भारतीय विदेश में थे। उन्हें इस रोक पर अमल से पहले देश लौटना था। कमर्शल ऑप्शन न होने की वजह से उन्हें चार्टर प्लेन से लौटना पड़ा। पिछले साल दिसंबर में ब्रिटेन में कोरोना बहुत तेजी फैल रहा था, तब भारत ने वहां से आने वाली उड़ानें रोक दीं। बॉलिवुड के एक बहुत बड़े सितारे का परिवार उस समय लंदन में था। वह परिवार चार्टर प्लेन से मुंबई वापस आया, उस डेडलाइन से पहले, जिसके बाद ब्रिटेन से किसी फ्लाइट को आने की इजाजत नहीं थी।एक बड़ी चार्टर कंपनी जेटसेटगो एविएशन की सीईओ कनिका टेकरीवाल ने बताया कि पहले उन्हें रोज 30-40 रिक्वेस्ट बुकिंग के लिए मिलती थीं। इनमें ज्यादातर बिजनेस वालों की होती थीं। कनिका ने बताया कि अब यह संख्या 9-10 गुना बढ़ गई है। इनमें से ज्यादातर कस्टमर नए हैं। बिजनेस के साथ पर्सनल ट्रैवल के लिए भी मांग बढ़ी है। अमीर लोगों को अगर पर्सनल ट्रैवल के लिए कहीं जाना है तो वे पहले चार्टर प्लेन के बारे में सोचते हैं। इधर, एक और तब्दीली दिखी है। बिजनेस के लिए चार्टर प्लेन की मांग कम हुई है। यह बिजनेस मीटिंग के जूम जैसे माध्यमों पर शिफ्ट होने का असर है।

पहले अधिकतर लोग बिजनेस ट्रैवल के लिए प्लेन बुक करते थे। अब ट्रेंड बदल रहा है और इसका असर पर्सनल ट्रैवल सेग्मेंट पर भी पड़ा है। इसके अलावा, जब-जब कोरोना का संक्रमण कम होता है, जो लोग इतने समय से घरों में बंद हैं, वे घूमना पसंद करते हैं। एक तरह का 'रिवेंज ट्रैवल' का कल्चर दिख रहा है। कोरोना के कारण घरों में बंद लोग अपने परिवार के साथ घूमने निकल रहे हैं। अमीर लोग खासतौर पर मॉलदीव, रूस, ग्रीस, नीदरलैंड्स और स्विट्जरलैंड घूमने जा रहे हैं। इन लोगों के बीच चार्टर प्लेन की काफी मांग है। कोरोना की दूसरी लहर के बाद कुछ ही देश हैं, जिन्होंने भारतीयों के अपने यहां आने पर पाबंदी हटाई है। कुछ देशों ने उन लोगों को आने की अनुमति दी है, जिनका पूरी तरह टीकाकरण हो चुका है। उधर, प्लेन पर चढ़ने के लिए आरटी-पीसीआर टेस्ट आज भी जरूरी है। अगर आपने टेस्ट नहीं करवाया है तो आप विदेश जाने वाले किसी हवाई जहाज पर सवार नहीं हो सकते।आपको यह भी बताते चलें कि चार्टर प्लेन पर अमीर लोग कितना पैसा खर्च कर रहे हैं। अगर कोई दिल्ली या मुंबई से दुबई जाने के लिए निजी हवाई जहाज बुक करता है तो उसे इसके लिए 37 लाख रुपये खर्च करने पड़ते हैं। मुंबई-लंदन-मुंबई के लिए यह खर्च 40 लाख और बेंगलुरु-सिंगापुर-बेंगलुरु के लिए 45 लाख रुपये है। यह खर्च प्लेन के साइज और आप उसे कितने वक्त के लिए बुक कर रहे हैं, इस पर भी निर्भर करता है। चार्टर प्लेन की बुकिंग शुरू होती है 80 हजार रुपये प्रतिघंटा से 8 सीटर टर्बोप्रॉप के लिए और यह 5-6 लाख रुपये प्रति घंटा 16 सीटर जहाज के लिए जाती है। इसके अलावा और भी चार्जेज होते हैं, जैसे कि एयरपोर्ट चार्ज, लैंडिंग और ओवरफ्लाइंग चार्ज आदि। दिल्ली एयरपोर्ट ने पिछले सितंबर में एक अलग जनरल एविएशन टर्मिनल खोला। हालांकि वह खुला तो कोरोना के टाइम में ही था, लेकिन पहली लहर के बाद। उस समय यह टर्मिनल रोज की करीब 20 फ्लाइट्स हैंडल करता था। दूसरी लहर में यह संख्या दोगुनी हो गई। एक तो एयर एंबुलेंसेस का आना-जाना बहुत हुआ और उसके अलावा कई ऐसे अमीर भारतीय थे, जो भारत से दूसरे देशों में जाना चाहते थे अपने और अपने परिवार की सेफ्टी के लिए। अब जब दूसरी लहर थम रही है और नए मरीजों की संख्या कम हो रही है तो वही ट्रेंड दिख रहा है, जो पहली लहर के बाद दिखा था। यानी घूमने-फिरने में लोगों की दिलचस्पी बढ़ रही है।आपको याद होगा कि पहली लहर के बाद कई फिल्मी सितारे मॉलदीव के फोटो खींचकर अपने सोशल मीडिया एकाउंट के जरिये शेयर कर रहे थे। इस साल अप्रैल में जब दूसरी लहर आई तो 30 देशों के साथ मॉलदीव ने भी भारतीयों के लिए अपनी सीमाएं बंद कर दीं। अब धीरे-धीरे भारतीयों के लिए ऐसे विदेशी ठिकाने खुल रहे हैं। कनिका कहती हैं कि लोगों में घूमने की एक बेताबी दिख रही है। करीब 60 फीसदी लोग अपने घरों से निकलना चाहते हैं। हो सकता है कि आप भी उनमें से एक हों। अगर आप घर से काम कर रहे हैं तो उसे किसी टूरिस्ट डेस्टिनेशन से भी अंजाम दिया जा सकता है। अगर आप देश के रईसों में शामिल हैं तो बुक करिए अपना 'उड़नखटोला' और निकल जाइए दूर देश को।

41 साल बाद क्वार्टर फाइनल में पहुंची भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका पर 4.3 की जीत और बाद में मौजूदा चैंपियन ग्रेट ब्रिटेन की आयरलैंड पर 2.0 की विजय से शनिवार को 41 वर्षों में पहली बार ओलंपिक खेलों के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। भारत ग्रुप ए में छह अंक लेकर चौथे स्थान पर रहा। उसने लगातार मैचों में आयरलैंड और दक्षिण अफ्रीका को हराया। सोमवार को क्वार्टर फाइनल में उसका सामना पूल बी से शीर्ष पर रहे ऑस्ट्रेलिया से होगा। प्रत्येक पूल से चोटी की चार टीमें नाकआउट दौर में पहुंचती हैं।

भारतीय महिला टीम का ओलंपिक में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1980 में मास्को ओलंपिक में रहाए जहां वह सेमीफाइनल में पहुंची थी लेकिन आखिर में उसे चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा था। भारत को भले ही अंतिम आठ में पहुंचने के लिये ग्रेट ब्रिटेन की जीत की जरूरत थी लेकिन कोई भी वंदना कटारिया से क्रेडिट नहीं ले सकता जिन्होंने सुबह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत में ऐतिहासिक हैट्रिक बनायी। वंदना ने चौथेए 17वें और 49वें मिनट में गोल किया । वह ओलंपिक के इतिहास में हैट्रिक लगाने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई । नेहा गोयल ने 32वें मिनट में एक गोल दागा ।

दक्षिण अफ्रीका के लिए टेरिन ग्लुस्बी ;15वांद्धए कप्तान एरिन हंटर ;30वांद्ध और मेरिजेन मराइस ;39वां मिनटद्ध ने गोल दागे । भारत को स्पर्धा में बने रहने के लिये हर हालत में यह मैच जीतना था । भारतीयों ने पहले मिनट से ही दबाव बनाना शुरू कर दिया। मैच के पहले दो मिनट में भारत को दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन ड्रैग फ्लिकर गुरजीत कौर का खराब फॉर्म जारी रहा। भारतीय कप्तान रानी ने मैच के बाद कहा एश्आज का मैच बहुत कठिन था । दक्षिण अफ्रीका ने कड़ी चुनौती दी । उन्होंने अपने मौके भुनाये । हम डिफेंस में बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे।श

भारत के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहाएश्हमने काफी गोल दे दिए। हम इससे ज्यादा गोल कर सकते थे। हमें यह मैच हर हालत में जीतना था और हम जीते। उन्होंने कहा एश्इन हालात में खेलना आसान नहीं है। पिच पर 35 डिग्री से अधिक तापमान था और उमस भी।श् भारत का खाता चौथे मिनट में वंदना ने खोला। दाहिने फ्लैंक से नवनीत कौर के बनाये मूव पर करीब से गेंद लेकर उन्होंने यह गोल किया। इसके बाद भी भारतीयों ने दबाव बनाए रखा और दक्षिण अफ्रीका के गोल पर कई हमले बोले। पहले क्वार्टर के आखिरी पलों में हालांकि ग्लुस्बी के गोल पर दक्षिण अफ्रीका ने बराबरी की। दूसरे क्वार्टर के दूसरे मिनट में वंदना ने फिर भारत को बढत दिलाई और पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया। भारत को इस क्वार्टर में तीन मौके और मिले लेकिन गोल नहीं हो सका।

पहले क्वार्टर की ही तरह भारत ने हाफ टाइम से ठीक पहले बढत गंवा दी। हंटर ने अपनी टीम कोमिले पहले पेनल्टी कॉर्नर पर बराबरी का गोल किया। दूसरे हाफ में नेहा ने दूसरे ही मिनट पर पेनल्टी कॉर्नर पर लिये गए वेरिएशन पर गोल दागा । एक बार फिर मराइस के गोल पर दक्षिण अफीका ने बराबरी की। भारत के लिए चौथा गोल 49वें मिनट में वंदना ने किया। मारिन ने कहा एश्प्रदर्शन में निरंतरता जरूरी है। कल हमने बहुत अच्छा खेला और फिर आज लगातार दूसरे दिन मैच खेलना था। हमारे बेसिक्स आज उतने सही नहीं थे जितने कि कल। उन्होंने कहा एश्हम जीतने के लिये ही आए थे क्वार्टर फाइनल से नयी शुरुआत होती है और पूल मैचों का प्रदर्शन मायने नहीं रखता। वहां अलग ही तरह का खेल होता है। अच्छी बात यह है कि हमारे लिए आखिरी दो मैच भी नॉकआउट की तरह ही थे।

कमलप्रीत कौर ने डिस्कस थ्रो के फाइनल में पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापानी की राजधानी टोक्यो में खेले जा रहे ओलंपिक खेलों के 9वें दिन भारत को कोई मेडल नहीं मिला। एथलेटिक्स में कमलप्रीत कौर ने डिस्कस थ्रो के फाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया है। बैडमिंटन में पीवी सिंधु महिला सिंगल्स के सेमीफाइनल में ताइ जू यिंग से हार गई। इसी के साथ उनका गोल्ड जीतने का सपना टूट गया। चीनी ताइपे की ताइ जू यिंग ने सिंधु को 18.21ए 12.21 से हराया। तीरंदाजी में भारत की आखिरी उम्मीद माने जा रहे अतनु दास प्री क्वार्टर फाइनल मैच में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। वहींए स्टार बॉक्सर अमित पंघाल को अपने पहले ही मैच में युबेर्जेन रिवास के हाथों हार झेलनी पड़ी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने रोमांचक मैच में साउथ अफ्रीका को 4.3 से हराया। बॉक्सिंग में पूजा रानी 75 किग्रा कैटेगरी में क्वार्टर फाइनल मैच हारकर बाहर हो गई है। उन्हें चीन की ली कियान ने हराया।

टोक्यो ओलंपिक इवेंट के दौरान चोटिल होने से अमेरिकी राइडर कॉनोर फील्ड्स आईसीयू में भर्ती

टोक्यो (एजेंसी)। अमेरिकी बीएमएक्स राइडर कॉनोर फील्ड्स ओलंपिक खेलों के सेमीफाइनल स्पर्धा के दौरान गंभीर रूप से दुर्घटनाग्रस्त हो गएए जिसके बाद उन्हें एक अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया। लास वेगास के 28 साल के फील्ड्स रियो ओलंपिक ;2016द्ध के गोल्ड मेडल विजेता है। शुक्रवार को सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान गंभीर रूप से चोटिल होने के बाद वह सड़क पर बेहोश हो गए थे। अमेरिकी साइकिलिंग ने एक बयान में कहा कि उनके सिर में गंभीर चोट लगी थीए जिसके बाद ओलंपिक के लिए नियुक्त न्यूरोसर्जन को लगा कि उन्हें सर्जरी की जरूरत होगी लेकिन सीटी स्कैन की रिपोर्ट देखने के बाद चिकित्सकों का मानना है कि उन्हें सर्जरी की जरूरत नहीं पड़ेगी। दुर्घटना में हालांकि फील्ड्स की पसलियों में फैक्चर हो गया और उनके फेफड़ों पर भी इसका असर पड़ा है। उनकी मां लिसा फील्ड्स ने बताएए श्कॉनोर ज्यादातर समय नींद में रह रहाए लेकिन जब नींद खुल रही तो वह बातचीत कर रहा है।श् महामारी के कारण ओलंपिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को परिवार को लाने की अनुमति नहीं हैए ऐसे में फील्ड्स की मां लिसा और उनके पिता माइक अमेरिकी ओलंपिक टीम के मुख्य चिकित्सा अधिकारी से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ले रहे है।

कश्मीर प्रीमियर लीगः पीसीबी के आरोपों पर बीसीसीआई ने दिया मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया का सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड भारतीय क्रिकेट बोर्ड यानी बीसीसीआई इन दिनों काफी चर्चा में हैं। बीसीसीआई ने साउथ अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज हर्शल

गिब्स को कश्मीर प्रीमियर लीग में खेलने से मना कर दिया। इसपर गिब्स ने ट्विटर का सहारा लेकर बीसीसीआई पर गंभीर आरोप लगाए उन्होंने कहा, 'बीसीसीआई राजनीतिक एजेंडे से प्रेरित होकर मुझे कश्मीर प्रीमियर लीग में खेलने से रोक रही है। इसके साथ ही वे मुझे धमकी दे रहे हैं कि अगर मैं ऐसा करता हूं तो मुझे भारत में एंट्री नहीं मिलेगी।' इसपर भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने गिब्स और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को जवाब देते हुए कहा है कि भारतीय बोर्ड को अपने अधिकारों की समझ है और हम अपने देश के क्रिकेटिंग इकोसिस्टम को देखते हुए फैसला लेते हैं।

बीसीसीआई के अधिकारी ने न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा, 'पीसीबी उलझन में है। जिस तरह से पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों को आईपीएल में भाग लेने की अनुमति नहीं देने के फैसले को आईसीसी सदस्य के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के रूप में नहीं माना जा सकता है। भारत शुद्ध रूप से बीसीसीआई का आंतरिक मामला है।' उन्होंने आगे कहा, 'एक पूर्व खिलाड़ी द्वारा दिए गए बयान की सत्यता की न तो पुष्टि की जा सकती है और ना ही इंकार किया जा सकता है, जो पहले मैच फिक्सिंग जांच में शामिल हो चुका है। तथ्य यह है कि भारतीय क्रिकेट की वर्ल्ड लेवल पर क्रिकेट के अवसरों की सबसे अधिक मांग है। पीसीबी को इससे ईर्ष्या नहीं नहीं करनी चाहिए।'

उन्होंने आगे कहा, 'आईसीसी में इस मामले को उठाने के लिए उनका स्वागत है और कोई भी समझ सकता है कि यह कहां से आ रहा है। लेकिन उन्हें यह खुद पूछने की जरूरत है कि क्या यह उनके कामकाज में सरकारी हस्तक्षेप के कारण है क्योंकि उनके संविधान के अनुसार पाकिस्तान के पीएम आधिकारिक तौर पर उनके संरक्षक हैं। यह विचार करने का समय है कि क्या इस मुद्दे को आईसीसी में भी भी उठाया जाए।

पूजा रानी टोक्यो ओलंपिक से हुई बाहर, ली क्यान ने क्वार्टर फाइनल में हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाजी के लिए शनिवार का दिन निराशाजनक रहा जिसमें दुनिया के नंबर एक मुक्केबाज अमित पंघाल ;52 किग्राद्ध के बाद पूजा रानी ;75 किग्राद्ध भी अपनी प्रतिद्वंद्वी से हारकर टोक्यो ओलंपिक से बाहर हो गईं। पूजा क्वार्टरफाइनल में सर्वसम्मत फैसले में चीन की लि कियान से 0.5 से हार गईं। कियान पूर्व वर्ल्ड चैंपियन और रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता हैं। वह पूरे मुकाबले के दौरान रानी पर हावी रहीं। रानी ने शुरूआती राउंड में थोड़ा बेहतर किया था लेकिन रिंग में कियान जवाबी हमलों में आक्रामक थीं और उन्होंने भारतीय मुक्केबाज की मुक्के जड़ने की कोशिशों को नाकाम कर दिया। चीन की शीर्ष स्तर की मुक्केबाज ने रानी के कमजोर डिफेंस का फायदा उठाया और अपना दूसरा ओलंपिक पदक पक्का कर लिया।

शनिवार को दोनों भारतीय मुक्केबाजों के प्रतिद्वंद्वियों ने उन पर

दबदबा बनाया और पूरे मुकाबले के दौरान मुक्के जड़ते रहे। भारत की पदक उम्मीद मुक्केबाज पंघाल प्री क्वार्टर फाइनल में सुबह रियो ओलंपिक के रजत पदक विजेता कोलंबिया के युबेरजेन मार्तिनेज से 1.4 से हार गए। शीर्ष वरीयता प्राप्त पंघाल का यह पहला ओलंपिक था और उन्हें पहले दौर में बाई मिली थी। सुबह पहले ही दौर से कोलंबियाई मुक्केबाज ने पंघाल पर दबाव बना दिया लेकिन पंघाल ने वापसी करके पहले तीन मिनट में 4 ण् 1 से जीत दर्ज की । इसके बाद मार्तिनेज की रफ्तार का वह सामना नहीं कर सके। भारतीय मुक्केबाजी के हाई परफॉर्मेंस निदेशक सैंटियागो निएवा ने कहा एश्वे एक दूसरे के साथ अभ्यास कर चुके हैं। उनमें से कुछ में अमित ने आज से बेहतर प्रदर्शन किया था लेकिन कुछ में आज की ही तरह हुआ। यह हैरानी वाला नतीजा नहीं है क्योंकि हमने देखा है कि यह मुक्केबाज काफी खतरनाक है।श् दूसरे दौर में मार्तिनेज ने पंघाल पर जबर्दस्त प्रहार किया जिसका भारतीय मुक्केबाज जवाब नहीं दे सके। यह सिलसिला आखिरी तीन मिनट में भी जारी रहा और पंघाल सिर्फ बचाव करते रहे। निएवा ने कहा कि हमें पता था कि क्या हो सकता है लेकिन हमें उम्मीद थी कि अमित आखिरी दो दौर में बेहतर करेगा। उसमें हिलने की ताकत नहीं बची थी और वह जवाबी हमले भी नहीं कर पा रहा था। उसके अति रक्षात्मक खेल से भी मार्तिनेज को काफी अंक मिले। मैंने किसी विरोधी के खिलाफ अमित को इतना थका हुआ नहीं देखा। वह अपनी लय में नहीं था। हमारा सामना काफी क्षमतावान मुक्केबाज से था। एशियाई खेल 2018 में स्वर्ण पदक और वर्ल्ड चैंपियनशिप 2019 में रजत पदक जीतने वाले पंघाल ने एशियाई खेलों में तीन बार पदक जीता है। वहीं मार्तिनेज 2016 रियो ओलंपिक में लाइटफ्लायवेट में रजत पदक विजेता थे। भारत की लवलीना बोरगोहेन ;69 किलोद्ध ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में पहुंचकर मुक्केबाजी में पदक पक्का कर लिया था ।

पीवी सिंधु की हार से टोक्यो में गोल्ड जीतने का सपना टूटाए अब ब्रॉन्ज पर नजरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यो ओलंपिक खेलों में गोल्ड मेडल की प्रबल दावेदार भारत की पीवी सिंधु को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। उन्हें चीनी ताइपे की ताइ जू यिंग ने सीधे सेटों में 21.18ए 21.12 से हराकर फाइनल मैच में जगह बनाई है। सिंधु ने इस मैच में अच्छी शुरुआत की थी और दुनिया की नंबर एक बैडमिंटन खिलाड़ी ताइ यिंग को कड़ी टक्कर दीए लेकिन उन्होंने अपने अनुभव का फायदा उठाते हुए पहला गेम 21.18 से अपने नाम करने में सफलता पाई। सिंधु इस गेम में एक समय 11.7 की बढ़त हासिल कर चुकी थींए लेकिन इस बढ़त को वे आखिर तक बरकरार नहीं रख सकीं।इस हार से हालांकि सिंधु का टोक्यो ओलंपिक में सफर खत्म नहीं हुआ है। अब उनके पास ब्रॉन्ज मेडल जीतने का मौका मिलेगा। उन्हें ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम करने के लिए दूसरे सेमीफाइनल में चीन की ही बिन जियाओ से मैच जीतना होगा। अगर सिंधु ब्रॉन्ज मेडल जीतने में कामयाब हो जाती हैंए तब भी वे इतिहास रच देंगी। वे लगातार दो ओलंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन जाएंगी। सिंधु ने इससे पहले ब्राजील के शहर रियो में हुए ओलंपिक खेलों में सिल्वर मेडल हासिल किया थाए लेकिन वह गोल्ड लाने से महज एक कदम दूर रह गईं थीं। तब उन्हें फाइनल में स्पेन की कैरोलिना मारिन के खिलाफ हार झेलनी पड़ी थी। पिछले ओलंपिक में भारतीय दल ने सिर्फ दो मेडल ही हासिल किए थे। इसमें सिंधु के अलावा कुश्ती में साक्षी मलिक ने ब्रॉन्ज मेडल कर कब्जा जमाया था।

टोक्यो में अब तक वेटलिफ्टर मीराबाई चानू और महिला बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन ने ही पदक पर मुहर लगाई है। मीराबाई ने महिलाओं की वेटलिफ्टिंग स्पर्धा के 49 किलोग्राम भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीता था। इसके लिए उन्होंने 202 किलो का कुल भार उठायाए जबकि लवलीना ने महिलाओं की 69 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की निएन चिन चेन को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया और इस ओलंपिक में देश के लिए दूसरा पदक पक्का किया था।

एमसी मैरीकॉम ने नतीजे पर सवाल उठाते हुए कहा. देश में माफी मांगना चाहती हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम भारत पहुंच चुकी है। टोक्यो ओलंपिक में उनका सफर गुरुवार को समाप्त हो गया। मैरीकॉम को प्री क्वार्टरफाइनल में रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता इंग्रिट वालेंसिया ने हराया। दो राउंड जीतने के बावजूद वो मैच हार गई। लंदन ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली मैरीकॉम से देश को मेडल की उम्मीद थी। दिल्ली पहुंचने पर मैरीकॉम ने कहाएश् मैं खाली हाथ लौटकर बुरा महसूस कर रही हूं। मैं मेडल के साथ वापसी करना चाहती थी। मुझे देश से सपोर्ट मिला। ये मेन्यूप्लेट डिसीजन था और धोखाधड़ी की गई। मैंने पहले 2 राउंड जीते तो फिर मैं कैसे हार सकती हूं। मैं देश से माफी मांगना चाहती हूं।श् मैरीकॉम से जब उनकी वापसी के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि हांए हांए क्यों नहीं। मैं 40 साल तक खेल सकती

हूं।गौरतलब है कि प्री.क्वार्टर फाइनल मैच में अपने मुकाबले को 2.3 से गंवाने के बाद मैरीकॉम ने पीटीआई.भाषा से कहा था एश् यह थोड़ा परेशान करने वाला था कि उन्होंने मुझे बाउट से ठीक पांच मिनट पहले ड्रेस बदलने के लिए कहा। उस समय दरअसलए मेरे नाम की घोषणा हो चुकी थी।श् मेरा मानना है कि मुझे परेशान करने के लिए यह जानबूझकर की गई कार्रवाई थी। मैंने पहले राउंड के मैच को इसी तरह के कपड़े में जीत दर्ज की थी। वहां भी मेरा नाम मैरीकॉम और भारत लिखा था। मैरीकॉम प्री क्वार्टरफाइनल में पहले राउंड में 1.4 से पिछड़ गयीं थी जिसमें पांच में से चार जज ने 10.9 के स्कोर से वालेंसिया के पक्ष में फैसला किया। अगले दो राउंड में पांच में से तीन जजों ने मैरीकॉम के पक्ष में फैसला किया लेकिन कुल स्कोर फिर भी वालेंसिया के हक में रहा। जब रैफरी ने मुकाबले के अंत में वालेंसिया का हाथ ऊपर उठाया तो मैरीकॉम की आंखों में आंसू थे और चेहरे पर मुस्कान थी।

पीएम आवास पाने वाले लाभाथिर्यों से लिया जा रहा 10 हजार रुपए सुविधा शुल्क

पीडित आवास गृहणियों ने करछना बी डी ओ से किया शिकायत

अखंड भारत संदेस

करछना। सरकार द्वारा गरीब असहायो की काया कल्प बदलने के लिए विभिनन योजना के तहत बड़े पैमाने पर आवास एवं शौचालय बनवाए जा रहे हैं। जिसके लिए सरकार द्वारा पानी की तरह पैसा बहाया जा रहा है। बावजूद इसके सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिनन योजनाओं में लाभाथिर्यों तक आधी अधूरी ही पहुंच पा रही है। वुछ इसी प्रकार का विकासखंड करछना के अंतर्गत आने वाले ग्राम सभाओ में देखा जा रहा है। जहां गरीब ग्रामीणों को शासन द्वारा पात्रता सूची में चयन के आधार पर प्रधानमंत्री आवास मुहैया कराया जा रहा है। वही प्रधानमंत्री आवास पाने वाले गरीब लाभाथिर्यों से अधिकारियों को सुविधा शुल्क देने के नाम पर ग्राम प्रधान व प्रतिनिधियों के द्वारा 10 हजार

रुपए सुविधा शुल्क मांगा जा रहा है। वही लाभार्थी द्वारा सुविधा शुल्क देने से मना किया जा रहा है तो प्रधान के द्वारा किस्त रोक

दिए जाने की बात कह कर दबाव बनाया जा रहा है। क्षेत्र के देवरी गांव के लाभार्थी रीता देवी पतनै रामदीन व रीता देवी पतनै बबलू भारतीय ने बताया कि उन्हें उन्हें पीएम आवास के लिए चुना गया है ,और पहली किस्त के रूप में 40 हजार रुपए मिले हैं । जबकि दूसरी किस्त आने वाली है। ऐसी दशा में ग्राम प्रधान के बेटे अमित कुमार के द्वारा 10 हजार रुपए सुविधा शुल्क की मांग किया जा रहा है।

ब्लाक उरूवा मेजा विधायक ने नवनिर्वाचित ग्रामप्रधानों व क्षेत्रपंचायतों को किया सम्मानित

अखण्ड भारत सन्देश

मेजा,प्रयागराज विधानसभा में दो साल कोरोना को छोड़ तीन सालों में यदि मैंने क्षेत्र का विकास किया है।

एक फिर आप सबका आशीर्वाद चाहिए। उक्त बातें मेजा विधायक नीलम करवरिया ने उरुवा ब्लाक में आयोजित नवनिर्वाचित प्रधानों और क्षेत्र पंचायत सदस्यों के सम्मान समारोह के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि कही।उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा ग्राम पंचायतों के विकास के लिए और गरीबों के हितों के लिए किए जा रहे कार्य को विस्तार से बताया।श्रीमती करवरिया ने सम्बान्धित अधिकारियों से कहा कि सभी योजनाओं का लाभ अंतिम

व्यक्ति तक पहुंचे।इसका ईमानदारी से क्रियान्वयन करना होगा।

ग्राम विकास अधिकारी(समाज कल्याण) सुशांतु पांडेय ने समाज कल्याण विभाग की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।इससे पूर्व भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्य अतिथि विधायक मेजा नीलम करवरिया एवं विशिष्ट अतिथि नीलम करवरिया ने समस्त प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों को माल्यार्पण और अंगवस्त्रम से सम्मानित किया।कार्यक्रम खंड विकास अधिकारी सपना अवस्थी का बुके व अंगवत्रम से स्वागत किया।मुख्य अतिथि के संयोजक वरिष्ठ भाजपा नेता जयशंकर प्रसाद पांडेय रहे। ाध्यक्षता प्रधान संघ उरुवा के अध्यक्ष राजेश द्विवेदी और सफल संचालन संचालन विधायक प्रतिनिधि शैलेश पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता जयशंकर प्रसाद पांडेय,मंडल अध्यक्ष सिरसा श्यामराज यादव,मंडल अध्यक्ष उरुवा संजय केशरी,पूर्व मंडल अध्यक्ष सुधाकर शुक्ला ने संबोधित किया।इस मौके पर प्रमुख रूप से कमलेश पांडेय,राहुल द्विवेदी,धीरज द्विवेदी, मिथिलेश, पप्पू जेरा,पीसी पटेल और अरुण तिवारी मौजूद रहे।

फिर से लागू होगा कोरोना लॉकडाउन? केंद्र ने 10 राज्यों से कहा- पाबंदियों पर विचार करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। कई राज्यों में कोरोना वायरस के नए मामलों में बढ़तोरी और पॉजिटिविटी रेट में बढ़ोतरी के बाद केंद्र सरकार ने प्रतिबंधों को फिर से लागू करने पर विचार करने के लिए कहा है। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने शनिवार को 10 राज्यों के साथ एक हाई लेवल बैठक की। स्वास्थ्य सचिव ने केरल, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, ओडिशा, असम, मिजोरम, मेघालय, आंध्र प्रदेश और मणिपुर के प्रतिनिधियों से कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में 10 प्रतिशत से अधिक की पॉजिटिविटी रेट रिपोर्ट करने वाले सभी जिलों को सख्त प्रतिबंधों पर विचार करने की आवश्यकता है। मंत्रालय ने कहा कि इस स्तर पर किसी भी तरह की ढिलाई से इन जिलों में स्थिति बिगड़ सकती है।

बैठक में मौजूद भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (छ्ण्ड्ढं) के महानिदेशक डॉ बलराम भार्गव ने कहा कि प्रतिदिन 40000 ने मामले के साथ समझौते करने की जरूरत नहीं है। भारत में लगभग 46 जिले 10 प्रतिशत से अधिक पॉजिटिविटी रेट रिपोर्ट कर रहे हैं और 53 जिले ऐसे हैं जो कि खतरे की ओर बढ़ रहे हैं। यहां पॉजिटिविटी रेट 5 से 10 प्रतिशत के बीच है। कोरोना के नए मामलों में बढ़ोतरी को देखते हुए मंत्रालय की ओर से इन राज्यों को 4 प्वाइंट में दिशा-निर्देश दिए गए हैं। जिनमें पहला है कि जहां ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं वहां काबू करने के प्रयास किए जाए और निगरानी रखी जाए। दूसरी बात मामलों की मैपिंग की जाए और संपकिर्यों का पता लगाना और नियंत्रण क्षेत्रों को परिभाषित करना है। तीसरा निर्देश ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को बढ़ाना और बाल चिकित्सा देखभाल पर ध्यान देना है। चौथा निर्देश है कि मौत पर नजर रखना और गणना करना। मंत्रालय ने कहा कि इन 10 राज्यों में 80 प्रतिशत से अधिक सक्रिय मामले होम आइसोलेशन में हैं। इन लोगों पर नजर रखने की जरूरत पर जोर देते हुए मंत्रालय ने कहा कि इन मरीजों की निगरानी के लिए समुदाय, गांव मोहल्ला, वार्ड आदि के स्तर पर स्थानीय निगरानी होनी चाहिए ताकि यह पता लग सके कि कहीं उनको अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत तो नहीं है।

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने वैक्सीनेशन कार्य में जुटे स्टॉफ को दी बधाई, बोले- दिल्ली के एक करोड़ लोगों को लगी वैक्सीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि दिल्ली में आज तक एक करोड़ वैक्सीन लग चुकी हैं। ये एक करोड़ वैक्सीन 74 लाख लोगों को लगी हैं, इनमें से 26 लाख लोगों को वैक्सीन की दोनों डोज लगी हैं और बाकी लोगों को वैक्सीन की एक डोज़ लगी है। दिल्ली में लगभग 50 फीसदी आबादी को वैक्सीन की एक डोज लग चुकी है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने वैक्सीन लगाने वाले स्टॉफ को बधाई दी और कहा कि उन्होंने जिस शिद्दत के साथ काम किया है उसके लिए मैं उन्हें बधाई देता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की जनता में वैक्सीन लगवाने का उत्साह है। बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। अभी 50-60 हजार वैक्सीन रोजाना लग रही है क्योंकि वैक्सीन की कमी है। अगर हमें पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन मिल जाए तो रोजाना 3 लाख वैक्सीन लगाने की हम क्षमता रखते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैक्सीन के लिए हम केंद्र सरकार से लगातार संपर्क साधे हुए हैं। मुझे उम्मीद है कि जल्द ही दिल्ली को और बाकी के राज्यों को पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन मिलना शुरू होगी। मुझे खुशी है कि हम अभी तक एक करोड़ वैक्सीन लगाने में सफल हुए हैं। इस बीच अरविंद केजरीवाल ने वैक्सीनेशन कराने की भी अपील की।

केरल के बाद अब महाराष्ट्र में जीका वायरस की एंट्री, 50 साल कि महिला मिली संक्रमित

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के बाद अब महाराष्ट्र में भी जीका वायरस की एंट्री हो गई है। महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार को बताया कि राज्य में जीका वायरस का पहला मामला मिला है। पुणे जिले की पुरंदर तहसील में 50 साल की एक महिला इस वायरस से संक्रमित मिली है। मरीज का इलाज किया जा रहा है और ठीक हो रहा है। वहीं, केरल में जिका वायरस के अभी तक 63 वायरस सामने आ चुके हैं। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने शनिवार को बताया कि राज्य में दो और लोगों में जीका वायरस की पुष्टि हुई है। इसी के साथ राज्य में कुल संक्रमितों का आंकड़ा 63 पहुंच गया है। केरल में फिलहाल जीका वायरस के तीन एक्टिव केस हैं। जीका वायरस फ्लाविविरिडए वायरस फैमिली से है। यह मच्छर के काटने से फैलने वाली बीमारी है। जीका वायरस के लक्षण चिकनगुनिया की तरह ही होते हैं। दिन में एडीज मच्छर के समय काटने से यह रोग फैलता हैं। आम तौर पर जीका वायरस से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं नहीं होती हैं। इस वायरस से संक्रमित रोगियों को ज्यादा से ज्यादा आराम करने की सलाह दी जाती है। हालांकि, यदि वायरस गर्भवती महिलाओं को संक्रमित करता है, तो इसका परिणाम जन्म दोष हो सकता है।डब्ल्यूएचओ के अनुसार, जीका वायरस एक मच्छर जनित फ्लेविवायरस है। जिसे पहली बार 1947 में युगांडा में बंदरों में पहचाना गया था। इसे बाद में 1952 में युगांडा और संयुक्त गणराज्य तंजानिया में मनुष्यों में पहचाना गया। जीका वायरस का प्रकोप अफ्रीका, अमेरिका, एशिया और प्रशांत में दर्ज किया गया है।

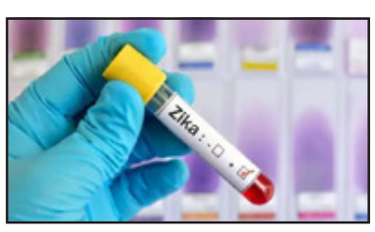

कलम-किताब लेकर गए और बंदूक के साथ लौटे, कश्मीर में यूं आतंकवाद बढ़ा रहा है पाकिस्तान

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों ने इस साल अभी तक 7 पाकिस्तानी सहित कुल 89 आतंकवादियों को मार गिराया है जबकि केंद्र शासित प्रदेश में अभी भी 200 से ज्यादा आतंकवादी सक्रिय हैं। सेना और पुलिस के शीर्ष अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कश्मीर जोन के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने कहा, ''इन 89 आतंकवादियों में से सात विदेशी आतंकवादी (या पाकिस्तानी) थे। यह (संख्या) पिछले साल के मुकाबले कम है, लेकिन इस साल ज्यादा संख्या में उनके शीर्ष कमांडर मारे गए हैं।'' सेना ने यह भी बताया है कि कैसे तालीम के नाम पर पाकिस्तान जाने वाले कई युवक आतंकी बनकर लौटे हैं।

वह सेना की 15वीं कोर के जनरल अफसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल डी. पी. पांडेय और दक्षिण कश्मीर में तैनात विक्टर फोर्स के जनरल अफसर कमांडिंग मेजर जनरल राशिम बाली के साथ संयुक्त रूप से संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। जम्मू-कश्मीर में मौजूद आतंकवादियों की संख्या के बारे में सवाल करने पर लेफ्टिनेंट जनरल पांडेय ने बताया कि केंद्र शासित प्रदेश में करीब 200 से 225 आतंकवादी मौजूद होंगे। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस साल अभी तक सीमा पार से घुसपैठ की कोई कोशिश सफल नहीं हुई है।

लेफ्टिनेंट जनरल पांडेय ने कहा, ''घुसपैठ की एक-दो कोशिशों की सूचना थी। हमने अभियान चलाया है, जिसका लक्ष्य उनका पता लगाना और उन्हें (आतंकवादियों को) मार गिराने का है। लेकिन, जमीनी स्तर से मिली सूचना के अनुसार, घाटी में 15वीं कोर के जोन में घुसपैठ की कोई कोशिश सफल नहीं हुई है। उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा में शोकबाबा सुमलार-अरागाम इलाके में अभियान चलाकर पिछले सप्ताह तीन आतंकवादियों को मारे जाने के संबंध में सेना के अधिकारी ने बताया कि तीन आतंकवादियों में से दो वैध वीजा लेकर 2017-18 में पाकिस्तान से भारत आए थे। उन्होंने कहा, ''यह, यहां के युवकों को वहां (पाकिस्तान) लेजाकर प्रशिक्षण देने और आतंकवादी के रूप में वापस भेजने का तरीका है। कम से कम 40 युवक शिक्षा के नाम पर वैध वीजा लेकर पाकिस्तान गए हैं, लेकिन वे सभी आतंकवादी बनकर लौटे हैं।'' जनरल अफसर कमांडिंग ने कहा कि वहां से लौटने वाले युवकों का ''उचित स्वागत किया जाएगा, लेकिन जो हथियार लेकर लौट रहे हैं उन्हें नहीं बख्शा जाएगा।'' पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि वैध वीजा लेकर पंजाब में वाघा बॉर्डर के रास्ते पाकिस्तान जाने वाले 40 युवकों में से ''27 हथियार लेकर लौटे हैं और उन सभी को मुठभेड़ में मार गिराया गया है।'' उन्होंने कहा, ''बाकि अभी सीमा पार ही हैं, उनमें से कुछ ही अपने परिवार के संपर्क में हैं।

धनबाद के जज की मौत की होगी सीबीआई जांच, पुलिस मुख्यालय के प्रस्ताव पर झारखंड सरकार की मंजूरी

रांची (एजेंसी)। झारखंड सरकार ने धनबाद के एडीजे उत्तम आनंद की मौत की जांच सीबीआई से कराने का फैसला लिया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस संबंध में सीबीआई जांच की अनुशंसा कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक, शनिवार को राज्य पुलिस मुख्यालय ने राज्य सरकार को पूरे मामले की जांच सीबीआई से कराने का प्रस्ताव दिया था। इसपर शनिवार की देर शाम सहमति बन गई है। 28 जुलाई की सुबह धनबाद में मार्निंग वॉक के दौरान एक ऑटो द्वारा टक्कर मारने के कारण जज उत्तम आनंद की मौत हो गई थी। झारखंड पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में प्रयुक्त ऑटो और उसके चालक को धर दबोचा था। मुख्यमंत्री की पहल पर मामले के त्वरित अनुसंधान और दोषियों को दबोचने के लिए एसआइटी का गठन किया गया था। एडीजी अभियान संजय आनंद लाठकर के नेतृत्व में 22 सदस्यीय एसआईटी फिलहाल पूरे मामले की जांच कर रही है। एसआईटी की जांच में आए तथ्यों को भी सीबीआई मुख्यालय को भेजा जाएगा। जज उत्तम आनंद के परिजनों ने एक दिन पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी मुलाकात की थी। मुख्यमंत्री ने इस दुखद घटना के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की थी तथा कहा था कि सरकार इस दुख की घड़ी में उनके साथ है। उन्होंने परिजनों से कहा था कि मामले की जांच को लेकर राज्य सरकार गंभीर है।

महंगाई पर बोले शिवराज के मंत्री, नेहरू की है गलती, 15 अगस्त 1947 के भाषण से अर्थव्यवस्था को नुकसान

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के एक मंत्री ने महंगाई की समस्या के लिए देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और 15 अगस्त 1947 को लाल किए से दिए उनके भाषण को जिम्मेदार बताया है। उन्होंने कहा कि महंगाई की समस्या एक या दो दिन में पैदा नहीं हुई और अर्थव्यवस्था 15 अगस्त 1947 को लाल किए से जवाहरलाल नेहरू के भाषण की गलतियों के साथ नीचे जाने लगी। शिवराज सिंह चौहान की सरकार में चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग कांग्रेस की ओर से महंगाई और दूसरे मुद्दों पर किए गए प्रदर्शन को लेकर प्रतिक्रिया दे रहे थे। भोपाल में पत्रकारों से बात करते हुए सारंग ने कहा, ''आजादी के बाद अर्थव्यवस्था को पंगु बनाकर महंगाई बढ़ाने का श्रेय यदि किसी को जाता है, तो वह है नेहरू परिवार। बीजेपी नेता ने कहा, ''महंगाई एक या दो दिन में नहीं बढ़ती है। अर्थव्यवस्था की नींव एक या दो दिन में नहीं पड़ती है। देश की अर्थव्यवस्था 15 अगस्त 1947 को लाल किले से जवाहरलाल नेहरू के द्वारा दिए गए भाषण की गलतियों की वजह से बिगड़ने लगी।'' उन्होंने कहा कि दूसरी तरफ मोदी सरकार ने पिछले 7 साल में अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है।

सारंग ने आगे कहा कि बीजेपी सरकार ने गरीबों के कल्याण और अर्थव्यवस्था में उनकी सहभागिता के लिए योजनाएं लॉन्च की हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में अर्थव्यवस्था कुछ उद्योगपतियों के हवाले थी। मंत्री ने दावा किया कि बीजेपी के शासन में महंगाई कम है और लोगों की आमदनी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को 10 जनपथ (पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी का आवास) के सामने प्रदर्शन करना चाहिए।

भारत.चीन कमांडरों के बीच 9 घंटे तक चली बातचीत, 12वें राउंड की सैन्य वार्ता में लद्दाख में तनाव खत्म करने पर हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच कमांडर स्तर की बातचीत खत्म हो चुकी है। बताया जा रहा है कि शनिवार को 12वें राउंड की सैन्य वार्ता करीब 9 घंटे तक चली। आर्मी सूत्रों से मिल रही खबरों के मुताबिक यह वार्ता शाम 7ण्30 बजे खत्म हुई है। यह वार्ता लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल के पास चीनी की सीमा में स्थित ओल्डी में हुई। बताया जा रहा है कि 9 घंटे तक चली इस वार्ता में पूर्वी लद्दाख में तनाव खत्म करने को लेकर दोनों देशों के सैन्य कमांडरों के बीच चर्चा हुई है। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी के पास उभरे विवाद के बाद से भारत और चीन के सैनिकों में संघर्ष के कारण सीमा पर स्थिति काफी तनावपूर्ण है। इस तनाव को कम करने के लिए अब तक कई दौर की वार्ता हो चुकी है। जिसके बाद फिलहाल एलएसी के पास शांति तो है लेकिन तनाव कम नहीं हुआ है। भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख के गतिरोध वाली जगहों से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया कैसे शुरू हो इसके लेकर दोनों देशों के बीच सैन्य वार्ता के दौरान चर्चा किया गया। इससे पहले रक्षा प्रतिष्ठान के सूत्रों के हवाले से कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि इस बातचीत का उद्देश्य 14 महीनों से ज्यादा समय से इस क्षेत्र में जारी गतिरोध को खत्म करना है। बताया गया था की बातचीत निर्धारित समय पर सुबह साढ़े 10 बजे शुरू हुई। सूत्रों ने बातचीत के बारे में इससे पहले कहा था कि भारत को हॉट स्प्रिंग और गोगरा में सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पर सकारात्मक नतीजे की उम्मीद है।

बातचीत का यह दौर पिछली बार हुई वार्ता से साढ़े तीन महीने से भी ज्यादा समय के बाद हुआ है। इससे पहले 11वें दौर की सैन्य वार्ता नौ अप्रैल को एलएसी पर भारत की ओर चुशुल सीमा बिंदु पर हुई थी और यह बातचीत करीब 13 घंटे तक चली थी। विदेश मंत्री एस जयशंकर के दृढ़ता के साथ अपने चीनी समकक्ष वांग यी को यह बताने के करीब दो हफ्ते बाद वार्ता का 12वां दौर खत्म हुआ है।

दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने 14 जुलाई को ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में शंघाई सहयोग संगठन ;एससीओद्ध सम्मेलन से इतर करीब एक घंटे तक द्विपक्षीय बैठक की थी। बैठक में जयशंकर ने वांग को बताया था कि एलएसी पर यथास्थिति में कोई भी एक पक्षीय बदलाव भारत को मंजूर नहीं है और पूर्वी लद्दाख में पूरी तरह से शांति और स्थिरता बहाल होने के बाद ही संबंधों का विकास हो सकता है।

मिजोरम विस्फोटक बरामदगीरू छप्। ने अपने हाथों में ली मामले की जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ;एनआईएद्ध ने मिजोरम विस्फोटक बरामदगी मामले में अपनी जांच शुरू कर दी है। गृह मंत्रालय की ओर से मामले की जांच सौंपे जाने के बाद आतंकवाद निरोधी एजेंसी ने गुरुवार को जांच अपने हाथ में ले ली और मामला फिर से दर्ज कर लिया। यह मामला ऐसे समय में दर्ज किया गया है जब 26 जुलाई को असम और मिजोरम के बीच सीमा विवाद को लेकर खून झड़प हुआ था। इस विस्फोटक मामले में असम राइफल्स ने 22 जून को दो व्यक्तियों को पकड़ा था और म्यांमार में तस्करी कर लाए जा रहे हथियारों का जखीरा बरामद किया गया था। जिनमें छह कार्टून में 3000 खास किस्म के डेटोनेटरए 37 पैकेट में 925 इलेक्ट्रिक डेटोनेटरए चार बॉक्स में 2000 मीटर लंबा फ्यूज और 63 बोरी बोरी में विस्फोटक पदार्थ शामिल था।

सीपीईसी के विरोध में बलोचिस्तान में भारी विरोध, प्रदर्शनकारियों ने कहा, हमें अपने इलाकों से हटाया जा रहा

ग्वादर (एजेंसी)। बलोचिस्तान में लोग एक बार फिर पाकिस्तान के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। बलोचिस्तान के ग्वादर इलाके में लोगों ने इमरान सरकार पर क्षेत्र और क्षेत्र के लोगों के साथ दुर्व्यवहार के आरोप लगाए हैं।

पाकिस्तान को लेकर इनका कहना है कि चीन पाकिस्तान इकॉनोमिक कॉरिडोर (ण्ड्ढण्) के कारण ग्वादर के लोगों की नौकरियां जा रही हैं। न्यूज़ एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट मुताबिक़ एक प्रदर्शनकारी ने कहा, 'हम फंस गए हैं। बलोचिस्तान के लोगों के पास चुनने के सिर्फ दो विकल्प हैं। या तो समुद्र में डूब जाएं या फिर शैतान की गोद में बैठ जाएं। ण्ड्ढण् एक ऐतिहासिक समस्या है। इस विरोध प्रदर्शन को लीड कर रहे मछुआरों का कहना है कि ण्ड्ढण् के आने के साथ हमें बेहतरी का यकीन दिलाया गया था लेकिन बाद में सब हवा में गायब हो गया। इसके उलट दिक्कत इतनी बढ़ गई है कि अब पेट भरने में दिक्कतें आ रही है। 2003 में ण्ड्ढण् की स्थापना से पहले हम मछुआरे लाखों रुपये कमाते थे लेकिन सरकार ने हमें झटका दिया है। पाकिस्तान सरकार चीन को ग्वादर बंदरगाह के आसपास के इलाके नियंत्रण को दे रही है। हमें मछली पकड़ने वाले इलाकों से हटा दिया गया है।

चीन में भी बढ़ी कोरोना संक्रमण की रफ्तार, बीजिंग समेत कई शहरों में नई लहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन में कोरोना वायरस संक्रमण एक बार फिर सिर उठाने लगा है। सभी नए केस डेल्टा वैरिएंट के हैं। राजधानी बीजिंग समेत देश के पांच प्रांतों में भी यह केसेज पाए गए हैं। चीनी मीडिया के मुताबिक साल 2019 में वुहान के बाद यह देश में कोरोना को लेकर सबसे खराब सिचुएशन है। करीब 200 नए कोरोना मामले सामने आए हैं।

इनका संबंध 20 जुलाई को नैन्जिंग एयरपोर्ट पर कोरोना केसेज के मिलने से जोड़ा जा रहा है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नैन्जिंग एयरपोर्ट पर कोरोना केसेज सामने आने के बाद इस एयरपोर्ट से 11 अगस्त तक के लिए सभी उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। इंडियन एक्सप्रेस वेबसाइट की खबर के मुताबिक अब यहां पर बड़े पैमाने पर टेस्ट किए जा रहे हैं और नए सिरे कोरोना गाइडलाइंस जारी की जा रही हैं। इसके तहत शहर में आंशिक रूप से लॉकडाउन लगाया गया है। स्थानीय लोगों की आते-जाते समय जांच की जा रही है और सार्वजनिक यातायात को बंद कर दिया गया है। वहीं संक्रमण पर लगा पाने में नाकाम अधिकारियों की लोग आलोचना भी कर रहे हैं। नैन्जिंग के एक स्वास्थ्य अधिकारी के मुताबिक यह सभी मामले उन सफाईकर्मियों से जुड़े हैं जो 10 जुलाई को हवाई जहाज से रूस से आए थे। शिन्हुआ की एक न्यूज रिपोर्ट में बताया गया है कि इन सफाईकर्मियों ने कोविड हाइजीन प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया था। चीनी कम्यूनिस्ट पार्टी के सदस्य ने इसको लेकर एयरपोर्ट मैनेजमेंट की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि इस तरह की समस्याएं निगरानी के अभाव और गैरपेशेवर बर्ताव के चलते ही आती हैं। एक वेबसाइट पर जारी अपने बयान में सीसीपी के सदस्य ने कहा कि सुरक्षा के उपायों का पूरी तरह से पालन नहीं किया गया है। एयरपोर्ट ने उन सफाई कर्मचारियों को अलग करना जरूरी नहीं समझा, जो पहले कोरोना की चपेट में आए थे। अगर ऐस किया गया होता तो इतने बड़े पैमाने पर संक्रमण फैलने से रोका जा सकता था।

तालिबान पर बड़ा प्रहारः अफगानिस्तान के हेरात में 100 से ज्यादा आतंकी ढेर, एयर स्ट्राइक में भी मारे 21

जवजान (एजेंसी)। उत्तरी अफगानिस्तान के जवजान प्रांत में शुक्रवार को आतिबान के गढ़ में जमकर बमबारी की गई, जिसमें 21 आतंकवादियों के मारे जाने की पुष्टि की गई है।

उत्तरी क्षेत्र के सेना के प्रवक्ता मोहम्मद हनीफ रेजाई ने शनिवार को यह जानकारी दी। वहीं, हेरात प्रदेश के गुजरा जिले में 100 से अधिक आतंकवादियों को मारकर अफगानी सुरक्षाबलों ने दोबारा कब्जा जमा लिया है। लड़ाकू विमानों ने मुरघब, हसानताबिन, अतमा और जवजान को पड़ोसी सारी पुल प्रांत से जोड़ने वाली सड़क से सटे गांवों को निशाना बनाया जहां तालिबान का कब्जा है और उनके ठिकाने हैं। अधिकारी ने बताया कि हमले में 21 विद्रोही मारे गए हैं तो 10 अन्य घायल हुए। वहीं। अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी तेज होने के बाद यहां तालिबानी आतंकियों ने तेजी से पैर पसारना शुरू कर दिया है। तालिबान ने अफगानिस्तान के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया है। हालांकि, अफगानिस्तान के सुरक्षाकर्मी इनका डटकर मुकाबला कर रहे हैं।अफगानिस्तान रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि अफगान सुरक्षा बलों ने हेरात प्रदेश के गुजरा जिले पर फिर से नियंत्रण हासिल कर लिया है।